

कोलकाता में सीपीआई-एम के दफ्तरों में तोड़फोड़

कोलकाता,एजेंसी। दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने सीपीआई-एम के कई पार्टी दफ्तरों और तुंगभूल कांग्रेस के पूर्व विधायक देबराब्रता मजूमदार के घर व दफ्तर पर हमला किया और तोड़-फोड़ की। कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) इलाके के छह वार्डों में सीपीआई-एम के दफ्तरों को निशाना बनाया गया। आरोप है कि इन हमलों के दौरान पार्टी का झंडा उतारकर जमीन पर फेंक दिया गया। वार्ड नंबर 96 के लंबे समय से केएमसी पार्षद और पूर्व विधायक मजूमदार के घर और दफ्तर पर भी हमला किया गया और उनके परिवार के कुछ सदस्यों से मारपीट की गई। अभी यह साफ़ नहीं है कि इस घटना में कौन-कौन शामिल था। सीपीआई(एम) के एक नेता के अनुसार, वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई।

झूठ की गूंज में कांग्रेस के युवराज का आचरण नारी शक्ति का अपमान: योगी

ग्रेटर नोएडा में दो दिवसीय ‘ प्रेरणा विमर्श -2026 ’ के समापन समारोह को योगी ने किया संबोधित

वियज दुबे

लखनऊ/ग्रेटर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पर निशाना साधा। राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्हें ‘कांग्रेस का युवराज’ बताते हुए कहा कि अपने झूठ की गूंज में उन्होंने निज प्रकार का आचरण किया, वह पूरी नारी शक्ति का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को ऐसे लोगों से उम्मीद करना छोड़ देना चाहिए। ये पथभ्रष्ट और मार्ग से भटकते हुए लोग हैं, जिनका लक्ष्य समाज में भ्रम पैदा कर अव्यवस्था और अराजकता फैलाना है। रविवार को ग्रेटर नोएडा में दो दिवसीय ‘प्रेरणा विमर्श-2026’ के समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के वक्तव्य को दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना बताया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रहे व्यक्ति से पद की गरिमा के अनुरूप आचरण की अपेक्षा होती है। काश वह भारत की समृद्धि को समझ पाते तो भारत, भारतीयता और हिंदू दृष्टि को नहीं कोसते। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, युवाओं को रोजगार, स्टार्टअप और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि बीमारू कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश अब रेवेन्यू सरप्लस स्टेट और देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी गरिमा की रक्षा और महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों से नहीं होगा। सरकार ने योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दी है। देश में तीन करोड़ परिवारों को घरों की माध्यम से मकान का मालिकाना अधिकार दिया गया, जिसमें पहला अधिकार महिलाओं का है। 12 करोड़ परिवारों को एलपीजी कनेक्शन और 12 करोड़ घरों में शौचालय की सुविधा दी गई। यूपी में 54 हजार बैंकिंग करिस्मोडेंट सखी गांवों में बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने झांसी के बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर का उदाहरण देते हुए कहा कि 2019 में पांच महिलाओं से शुरू समूह से आज 62 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। इसका टर्नओवर 115 करोड़ रुपये है और प्रत्येक महिला आठ से 10 हजार रुपये महीने कमा रही है। आगरा, काशी, गोरखपुर और लखनऊ में भी मिल्क प्रोड्यूसर काम कर रहे हैं। इनसे करीब चार लाख महिलाएं जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में यूपी पुलिस में केवल 10 हजार महिलाएं थीं, जिनकी संख्या अब 44 हजार हो गई है। अगले तीन-चार महीने में यह आंकड़ा 50 हजार के पार होगा। प्रदेश में महिला वर्कफोर्स की भागीदारी भी 12 प्रतिशत से बढ़कर 36-37 प्रतिशत हो गई है। डिजिटल एंटरप्रेनोरशिप की नई योजना के तहत आठ हजार न्याय पंचायतों में से चार हजार में महिला उद्यमियों को जोड़कर प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में सबसे बड़ी युवा शक्ति उत्तर प्रदेश के पास है और प्रदेश में 56 प्रतिशत युवा हैं। पिछले साढ़े नौ वर्ष में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में सवा तीन करोड़ युवा काम कर रहे हैं। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के कारण प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इनमें 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतरा और इससे 65 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में 120 से भी कम स्टार्टअप थे, जबकि आज इनकी संख्या 24 हजार से अधिक है। इनमें करीब आधे महिलाओं द्वारा संचालित हैं। उन्होंने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और वीर सावरकर का उल्लेख करते हुए युवाओं से राष्ट्रीय नायकों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि **यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने जा रहा है।** उत्तर प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक मंच मिले, हमारे कारीगरों, उद्यमियों और अग्रदूताओं की मेहनत को दुनिया पहचाने, इसी उद्देश्य से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन वर्ष 2023 में आरंभ किया गया था।

जब डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की सेवा का दायित्व संभाला, तब हमारे सामने सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में एक रोजगार सृजन था। आज मुझे संतोष है कि अकेले एमएसएमई सेक्टर और ओडीओपी जैसी पहलों के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। इसकी सफलता से प्रेरित होकर ही ‘एक जनपद-एक व्यवसाय’ (ओडीओसी) जैसी नई पहल शुरू की गई है।

उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश बनाना बड़ी चुनौती थी, लेकिन आज हमारा प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। **निर्यात में हमारी भागीदारी ₹2 लाख करोड़ से अधिक है। देश-विदेश के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं। ₹15 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतर चुका है।** बड़े पैमाने पर निवेश से निर्यात बढ़ता है, जिससे रोजगार के नए अवसर बनते हैं। इसका लाभ प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं को मिलता है।

उत्तर प्रदेश की पहचान केवल बाजार और जनशक्ति नहीं, बल्कि यहां के कुशल, कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों की प्रतिभा भी है। **प्रदेश का युवा रोजगार पाने वाला नहीं, अपितु रोजगार देने वाला उद्यमी बने, प्रदेश सरकार ने इसी सोच के साथ युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं।** युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप नीति-2026 और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी पहलें नवाचार, कुशल, उत्पाद विकास और बाजार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करा रही हैं। आज उत्तर प्रदेश अपने उत्पादों के साथ अपने युवाओं की उद्यमशीलता को भी वैश्विक बाजार तक पहुंचा रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो इसी सामर्थ्य को खरीदारी, निवेशकों और वैश्विक बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है।

मैं प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, नवोन्मेषकों और भावी उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि इस अवसर का लाभ उठाएं। बड़ी संख्या में आए, नाए संपर्कों और नए बाजार को समझें तथा अपनी प्रतिभा एवं क्षमता के अनुरूप नए अवसर तलाशें। उद्यमिता के प्रति जागरूकता के अभाव को दूर करते हुए अपने आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानें। आपका नया विचार एवं छोटा-सा प्रयास भी आने वाले समय में बड़े उद्यम का आधार बन सकता है।

आपके प्रयासों से स्थानीय सामर्थ्य वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा और इसी के बल पर हम वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के स्वप्न को साकार करेंगे।

आपका

योगी आदित्यनाथ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial f CMOUttarpradesh X CMOfficeUP

UP का मेला

आडवाणी-सिसोदिया समेत दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत लालकृष्ण आडवाणी और आप नेता मनीष सिसोदिया को चुनाव आयोग की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, कुल 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली के वोटों को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के तहत जमा किए गए उनके एन्यूमरेशन फॉर्म की जानकारी में गड़बड़ियों के लिए नोटिस भेजा जा रहा है। एक दिन पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस जारी होने की खबर सामने आई थी। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीबीई डायरेक्टर प्रवीण सूद और पूर्व आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी को भी नोटिस जारी करने की बात सामने आई है। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को 29 अक्टूबर तक अपने विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास जवाब और जरूरी दस्तावेज जमा करने हैं। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का दावा-आपत्ति चरण 30 सितंबर तक चलेगा और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी।दिल्ली के सीईओ ऑफिस के मुताबिक, झप्ट वोटर लिस्ट में शामिल 33.13 लाख मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म की गड़बड़ियों पर नोटिस भेजे जाएंगे। अब तक 31.63 लाख मतदाताओं को नोटिस मिल चुका है। दिल्ली इथद्व ऑफिसर ने शनिवार को यह जानकारी दी। रेखा गुप्ता की एंटी को लॉजिकल डिस्कपेंसी वाली सूची में रखा गया था। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री को उग्र से जुड़ी गड़बड़ी के कारण नोटिस मिला था। जांच के बाद उनकी एंटी वैलिडेट कर दी गई। दिल्ली के हर वोटर को 30 जून से 17 अगस्त तक चले घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान भरा हुआ फॉर्म जमा करना था।

वाराणसी में 30 लाख के इनामी नक्सली कमांडर का एनकाउंटर

वाराणसी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रविवार सुबह यूपी एटीएस और झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के कमांडर बृजेश गंडू उर्फगोपाल सिंह भोक्ता के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस के मुताबिक, रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान के पास हुई इस कार्रवाई में बृजेश को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उस पर झारखंड सरकार और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से कुल 30 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, बृजेश गंडू अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से टेगरा मोड़ की ओर से रामनगर होते हुए मुगलसराय जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से उसकी मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना के आधार पर यूपी एटीएस और स्थानीय पुलिस की टीम ने लंका मैदान के आसपास घेराबंदी की और बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि टीम को देखकर बृजेश बाइक से कूदकर भागने लगा और उसने पुलिसकर्मियों पर फयरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा टीम ने जवाबी कार्रवाई की। गोली लगने के बाद बृजेश घायल हो गया और उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान बृजेश की ओर से की गई फयरिंग में यूपी एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण की बुलेटप्रूफजैकेट पर भी गोली लगने की जानकारी सामने आई है।

भाजपा आरक्षण के पक्ष में नहीं है: अखिलेश

जब पासवर्ड छिन जाएगा, तो पोस्ट कैसे कर पाएंगे; नाम लिए बिना ओपी राजभर पर अखिलेश का तंज

संवाददाता

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण के पक्ष में नहीं है और पीडीए समाज के अधिकारियों को अच्छी तैनाती नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय तैनात अधिकारियों को भी हटया जा सकता है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने के लिए भाजपा सरकार कंटेन किएपर्स को कैसे दे रही है। उन्होंने संकेत दिया कि नवरात्र में कई बड़े नेता सपा से जुड़े और उसी समय उनकी औपचारिक सदस्यता होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ओपी राजभर पर बिना नाम लिए तंज कसा। उन्होंने कहा कि लोग ये समझते हैं कि अगर पासवर्ड छिन जाएगा तो कौन पोस्ट कर पाएगा। अब पासवर्ड पाने के लिए बारगेनिंग हो रही होगी। अगर पोस्ट नहीं हो रहा है, तो हो सकता है पासवर्ड नहीं दिया गया हो। जहां से बात पोस्ट हो रहा थी। किसी गिनती को लेकर तो बारगेनिंग नहीं हो रही। वाकई मैंने भी हाल में कोई पोस्ट नहीं देखा। आपको बता दें बीते कुछ दिनों से ओपी राजभर लगातार सपा और अखिलेश यादव पर लगातार ट्वीट कर हमला बोलते रहे हैं। लेकिन बीते दिनों में उनके पोस्ट में कमी आई है। जिसको लेकर इशारों-इशारों में सपा अध्यक्ष ने ओपी राजभर पर तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने बीजेपी पर भी हमला बोला है।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण के पक्ष में नहीं है और पीडीए समाज के अधिकारियों को अच्छी तैनाती नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय तैनात अधिकारियों को भी हटया जा सकता है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने के लिए भाजपा सरकार कंटेन किएपर्स को कैसे दे रही है। उन्होंने संकेत दिया कि नवरात्र में कई बड़े नेता सपा से जुड़े और उसी समय उनकी औपचारिक सदस्यता होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ओपी राजभर पर बिना नाम लिए तंज कसा। उन्होंने कहा कि लोग ये समझते हैं कि अगर पासवर्ड छिन जाएगा तो कौन पोस्ट कर पाएगा। अब पासवर्ड पाने के लिए बारगेनिंग हो रही होगी। अगर पोस्ट नहीं हो रहा है, तो हो सकता है पासवर्ड नहीं दिया गया हो। जहां से बात पोस्ट हो रहा थी। किसी गिनती को लेकर तो बारगेनिंग नहीं हो रही। वाकई मैंने भी हाल में कोई पोस्ट नहीं देखा। आपको बता दें बीते कुछ दिनों से ओपी राजभर लगातार सपा और अखिलेश यादव पर लगातार ट्वीट कर हमला बोलते रहे हैं। लेकिन बीते दिनों में उनके पोस्ट में कमी आई है। जिसको लेकर इशारों-इशारों में सपा अध्यक्ष ने ओपी राजभर पर तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने बीजेपी पर भी हमला बोला है।

राजभर के हाल में पोस्ट नहीं आया, कहीं पासवर्ड तो नहीं छिन गया। अखिलेश ने इशारों में कहा कि पासवर्ड पाने और किसी गिनती को लेकर बारगेनिंग हो रही होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने बिना नाम लिए सुभासपा अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हाल में उनका कोई पोस्ट नहीं आया है। कहीं पासवर्ड तो नहीं छिन गया। ‘क्योंकि हम और आप

लोग ये समझते हैं कि अगर पासवर्ड छिन जाएगा तो कौन पोस्ट कर पाएगा। अब पासवर्ड पाने के लिए बारगेनिंग हो रही होगी। अगर पोस्ट नहीं हो रहा है, तो हो सकता है पासवर्ड नहीं दिया गया हो। जहां से बात पोस्ट हो रहा थी। किसी गिनती को लेकर तो बारगेनिंग नहीं हो रही। वाकई मैंने भी हाल में कोई पोस्ट नहीं देखा। आपको बता दें बीते कुछ दिनों से ओपी राजभर लगातार सपा और अखिलेश यादव पर लगातार ट्वीट कर हमला बोलते रहे हैं। लेकिन बीते दिनों में उनके पोस्ट में कमी आई है। जिसको लेकर इशारों-इशारों में सपा अध्यक्ष ने ओपी राजभर पर तंज कसा है। सपा अध्यक्ष ने बीजेपी पर भी हमला बोला है।

लाइट जो आपको हमेशा स्पॉटलाइट में रखे।

भारत के सबसे भरोसेमंद बाथ ब्रांड की ओर से

STRIP LIGHTS | STREET LIGHTS | PANELS | LAMPS | BATTENS

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टेट-एचटेटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग

गुरुग्राम । स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन, हरियाणा (सलाह) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के लिए टेट-एचटेटी की अनिवार्यता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की है कि इन शिक्षकों को इस बाध्यता से पूरी तरह मुक्त किया जाए और इसका एक स्थायी व व्यावहारिक समाधान निकाला जाए। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य प्रधान अशोक शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक कार्यरत हैं, जिन्होंने अपनी निर्धारित शैक्षणिक एवं नियुक्ति योग्यताओं के आधार पर सेवा द्रुत प्रवेश किया और वर्षों से पूरी ईमानदारी व निष्ठा से बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करना कतई नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षक का सम्मान दोनों सुरक्षित रहने चाहिए। एक अनुभवी शिक्षक की दक्षता का मूल्यांकन केवल एक पात्रता परीक्षा से नहीं किया जा सकता; उसके वर्षों का अध्यापन अनुभव, विषय पर पकड़, कक्षा-कक्ष की कार्यकुशलता, सेवा-अभिलेख और विद्यार्थियों के शानदार परिणाम भी उसकी योग्यता का बड़ा आधार हैं। सरकार को इस विषय को टकराव के रूप में नहीं, बल्कि संवाद और समाधान के रूप में देखना चाहिए। संगठन के कार्यकारी प्रधान अजय मलिक ने कहा कि एसोसिएशन माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पूर्ण सम्मान करती है। हमारा उद्देश्य किसी न्यायिक निर्णय की अवमानना करना नहीं, बल्कि कार्यरत शिक्षकों की वास्तविक और जमीनी परिस्थितियों को सरकार के समक्ष रखना है। सरकार को न्यायालय के अनुपालन के साथ-साथ इन शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और अनुभव को बचाने के लिए उचित विधिक व प्रशासनिक विकल्प तलाशने चाहिए। महासचिव अनिल सैनी ने कहा कि नए शिक्षक अस्थायी और अस्थायी से सेवा दे रहे कार्यरत शिक्षक की स्थिति बिल्कुल अलग होती है। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने वाले इन अनुभवी शिक्षकों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इस बैठक में राज्य प्रधान अशोक शर्मा, कार्यकारी प्रधान अजय मलिक, महासचिव अनिल सैनी के अलावा भूपेंद्र मलिक, राजबीर, सुशील कटारिया, सतबीर सोमल, रमन रोहिल्ला, रमेश नेहरा और संदीप सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

212 परिषदीय विद्यालयों में हुआ चित्रकला प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन*

संवाददाता सिद्धीर बाराबंकी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को विकासखंड सिद्धौर के 212 परिषदीय विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन हुआ। इसमें प्राथमिक विद्यालयों की कक्षा पांच तथा उच्च प्राथमिक व कनेोजित विद्यालयों की कक्षा छह से आठ तक के कुल 3८61 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यालय स्तर पर चित्रकला, निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं कराई गईं। प्रत्येक विद्यालय में तीनों विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अब विद्यालय स्तर पर चर्यनित प्रतिभागी ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी आराधना अस्थशी और ब्लॉक नोडल प्रभारी आदर्श कुमार पांडेय के निदेशन में प्रतियोगिता कराई जाएगी। ब्लॉक नोडल आदर्श पांडेय ने बताया कि विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार की जा रही है। इसके बाद ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित कर चर्यनित बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

न्यू पालम विहार में 18 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

गुरुग्राम / संवाददाता। नगर निगम के वार्ड-5 न्यू पालम विहार में बुनियादी विकास कार्यों का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ नगर निगम की मेयर राजरानी मल्होत्रा व नगर निगम वार्ड-5 के पार्षद रामअवतार राणा द्वारा जे-ब्लॉक, न्यू पालम विहार फेस-1 पार्क एवं जीएमडीए पार्क, महिंद्रा ऑरा के पास, न्यू पालम विहार में किया गया। इन विकास कार्यों के तहत न्यू पालम विहार फेस-1 के ई, एफ, एम, ईजेड, डब्ल्यूजेड, आईजेड, एच, जे, के, एन वन, एन एक्सप्रेसन, वी ब्लॉक, फेस 2 के ए ब्लॉक में पीने के पानी की लाइन, सीवर लाइन, बरसाती पानी की निकासी लाइन व सड़कों के निर्माण कार्य किए जाएंगे। जजपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व पार्षद ऋषिराज राणा, किरण कांडपाल, वार्ड कमेटी के सदस्यगण, सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रकृति संरक्षण को समर्पित पहल के तहत नेचर स्ट्रिप क्षेत्र में लगाए बरगद के पौधे

गुरुग्राम / संवाददाता। सामाजिक संस्था ब्राह्मण विकास संगठन के सचिव सुरेंद्र शर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ब्राह्मण विकास संगठन द्वारा शीतला माता रोड स्थित नेचर स्ट्रिप क्षेत्र में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में बरगद के पौधे रोपे गए। इस पौधारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रधान एडवोकेट राहुल भारद्वाज ने की। पौधे को रोजाना पानी देने की जिम्मेदारी जी-डॉट रेस्टोरेंट के ऑनर व संगठन कार्यकारिणी सदस्य सरबजीत शर्मा को सौंपी गई। इस मौके पर सभी ने सुरेंद्र शर्मा के स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना की और भविष्यगत शुभकामनायें दीं। आगे इसी तरह सदस्यों के जन्मदिन पर सामाजिक सहभागिता काव्य सम्पन्न किये जाने पर सहमति जतायी। मौके पर संगठन सदस्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी, महेश वशिष्ट, डॉ. रामानंद सागर, दीपक गौड़, सत्यप्रकाश शर्मा, अमित भारद्वाज, आशीर्वाद उपाध्याय, अर्चना उपाध्याय, नरेश दत्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

यूपी में दस वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला, कई अहम विभागों में फेरबदल

संवाददाता लखनऊ । प्रदेश सरकार ने रविवार रात 10 वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। इसमें कई अधिकारियों से महत्वपूर्ण विभाग लेकर दूसरे अधिकारियों को सौंपे गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को वर्तमान पद के साथ अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। फेरबदल में उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद, ऊर्जा और श्रम जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं।अमित कुमार घोष को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा बनाया गया है। अभी उनके पास चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रभार था।अमृत अभिजात को वर्तमान पद के साथ परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।वी. हेकाली झिमोमी को प्रमुख सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के स्थान पर प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।महेंद्र प्रसाद अग्रवाल को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा से हटाकर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है।अनिल कुमार को प्रमुख सचिव पंचायतीराज से हटाकर प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले आयुक्त, खाद्य एवं रसद की जिम्मेदारी दी गई है। पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के मुद्दे पर पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर से इनकी अनबन चल रही थी। मंत्री ने इस योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इनकी शिकायत मुख्यमंत्री से की थी।डॉ. एमकेएस सुंदरम को कृषि विभाग से जुड़े कई अहम दायित्व सौंपे गए हैं। उन्हें प्रमुख सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान तथा कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन की जिम्मेदारी दी गई है।कृषि विभाग में इन दायित्वों को संभाल रहे रविंद्र को प्रमुख सचिव पंचायती राज बनाया गया है।

कानपुर में डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

दोस्त गंभीर घायल, टक्कर के बाद 6 फीट उछलकर रेलिंग पर जा लटका

कानपुर,एजेंसी। कानपुर में रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक मोड़ पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। टक्कर के बाद दोस्त बाइक से उछलकर सुरक्षा रेलिंग पर जा लटका, जिससे उसकी जान बच गई। हादसा कैंट थाना क्षेत्र के सेतु टंडन फ्लाईओवर पर सुबह करीब 11:25 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, फेथफुलगंज निवासी मोहम्मद अफजल (26) अपने दोस्त मंशन के साथ बाइक से जा रहा था। मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद अफजल बाइक से उछलकर सुरक्षा रेलिंग पर जा लटका, जबकि मंशन नीचे गिर गया। हादसे में मंशन की मौत हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। घायल अफजल को अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शव



पूर्व मुख्य सचिव ने संविवि के विकास कार्यों का किया निरीक्षण

संवाददाता वाराणसी। पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में विकास कार्यों और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केंद्र का भी अवलोकन किया गया और दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने रविवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सुविधागत व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संग्रहालय, लालभवन, पाणिनी भवन, शताब्दी भवन अतिथि गृह, श्रमण विद्या संकाय, आनंदमयी महिला छात्रावास, ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केंद्र तथा दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने तथा आवश्यकतानुसार गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में सीएसआर फण्ड के माध्यम से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल एवं उकृष्ट संसाधन उपलब्ध कराकर सुंदर एवं सुविधायुक्त वातावरण तैयार किया गया है।

ऑनलाइन डिस्लोमा कक्षाओं का भौतिक अवलोकन

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्व मुख्य सचिव ने संचालित कक्षाओं का भौतिक रूप से अवलोकन कर ऑनलाइन डिस्लोमा कक्षाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने तकनीकी एवं शिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से संस्कृत शिक्षा को देश-विदेश तक पहुंचाने की संभावनाओं पर बल दिया।

दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण कार्यों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने ‘उत्कृष्ट ज्ञान भारत’ द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक ट्यूटमेंट एवं डिजिटलीकरण कार्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ये पांडुलिपियां भारतीय मनीषा की अमूल्य ज्ञान-संपदा हैं। इनका वैज्ञानिक संरक्षण एवं डिजिटलीकरण भावी पीढ़ियों, विद्यार्थियों, अध्येताओं एवं शोधार्थियों के लिए ज्ञान-संपदा को सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है।

कानपुर में 2 दिवसीय खेल महोत्सव



कानपुर,एजेंसी। कानपुर में एफआईसीसीआई एफएलओ द्वारा आयोजित आगामी खेल महोत्सव ‘एफएलओ फिट 2.0’ के लिए शनिवार को जर्सी का अनावरण और ट्रॉफी का लोकार्पण किया गया। यह बहुप्रतीक्षित खेल आयोजन 7 और 8 अक्टूबर को टीएसएच-द स्पोर्ट्स हब में आयोजित किया जाएगा। आज आयोजित कार्यक्रम में एफएलओ फिट 2.0 में भाग लेने वाली छह टीमों का आधिकारिक परिचय कराया गया और उनकी जर्सियों का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एफएलओ फिट 2.0 में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, क्रिकेट, माहजोग, तैराकी, कैरम तथा मानव सांप-सीढ़ी सहित विभिन्न खेल शामिल किए गए हैं। शनिवार के कार्यक्रम के साथ आगामी दो

दिवसीय खेल आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर एफआईसीसीआई एफएलओ कानपुर की चेयरपर्सन अंकिता गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ दिव्या भंडोह, भावना भाटिया, शगुन गुप्ता, नीति टंडन, श्वेता गर्ग, मनीत सेहगल, नम्रता गर्ग, कनिका वैद और अनुराधा वाशने सहित एफआईसीसीआई एफएलओ कानपुर की अनेक सदस्य उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान सभी टीमों के खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। जर्सी अनावरण और ट्रॉफी लोकार्पण के साथ एफएलओ फिट 2.0 को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना दिखाई दी। एफएलओ फिट 2.0 का आयोजन 7 और 8 अक्टूबर को टीएसएच-द स्पोर्ट्स हब में होगा।

बदहाल सड़के,आशियाना चौराहें का एक गड्ढा नहीं पूरे इलाके में है टूटी सड़कें

सवालों के घेरे में लखनऊ नगर निगम की कार्य प्रणाली

श्वेताभ दुवे

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी का आशियाना क्षेत्र भले ही शहर के प्रमुख और विकसित इलाकों में गिना जाता हो, लेकिन यहां की सड़कों की हालत जमीनी तस्वीर कुछ और ही बयां करती है। आशियाना चौराहे के पास हनुमान मंदिर के बगल में सड़क पर बना बड़ा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र की कई सड़कों पर जगह-जगह टूट-फूट और गड्ढे नजर आते हैं, जिससे रोजाना आवागमन प्रभावित हो रहा है।

सवाल यह है कि जब शहर के प्रमुख इलाकों में सड़क रखरखाव की जिम्मेदारी लखनऊ नगर निगम की है, तो आशियाना की सड़कों की स्थिति पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं होती? स्थानीय लोगों के मुताबिक, कई स्थानों पर सड़क की सतह खराब होने के साथ-साथ



पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।आशियाना की सड़कें अब लखनऊ नगर निगम की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। एक तरफ शहर को बेहतर बुनियादी सुविधाएं देने के दावे

किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र की सड़कों पर नजर आ रही बदहाली उन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल उठाती है। स्थानीय लोगों की मांग है कि लखनऊ नगर निगम केवल खानापू्रति के बजाय पूरे आशियाना क्षेत्र की सड़कों का सर्वे कराकर क्षतिग्रस्त हिस्सों की स्थायी मरम्मत कराए, ताकि लोगों को रोजाना की परेशानी और दुर्घटना के खतरे से राहत मिल सके.

टूटी रेलिंग से बढ़ा नीचे गिरने का खतरा: हादसे वाली जगह पर सुरक्षा रेलिंग टूटी हुई है। इससे पुल से नीचे सड़क पर वाहन गिरने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की है।

9 जुलाईकोभी इसीहिस्सेमें गिरी थी कार

पुल पर हादसे वाली जगह से करीब 30 मीटर पहले 9 जुलाई को भी हुड्डे वैन्यू कार नीचे गिर गई थी। उस घटना में किसी को चोट नहीं आई थी। दो महीने के भीतर इसी हिस्से में यह दूसरा हादसा है।

सड़क बंद होनेसे टला बड़ा नुकसान

हादसे के समय पुल के नीचे कैंटोनमेंट की सड़क पर वाहनों की आवाजाही बंद थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में सड़क खुली होती तो कार किसी वाहन या राहगीर से टकरा सकती थी। पुलिस ने हादसे की वजह की जांच शुरू कर दी है। साथ ही घटनास्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म और आपतिजनक वीडियो बनाने का आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता लखनऊ। मदेयगंज थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने और उसकी आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बनाने के आरोप में नामजद युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार छह सितंबर 2026 को पीड़िता ने मदेयगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मो. शहजाद पुत्र मो. रसीद निवासी ग्राम मोहम्मद नगर, थाना मलिहाबाद ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना ली। पीड़िता के शादी के लिए दबाव बनाने पर आरोपी ने फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए शादी से इनकार कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 112/2026 धारा 69 और 351(3) बीएनएस के तहत दर्ज किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर उसकी तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 19 सितंबर 2026 की रात करीब 8:55 बजे बुद्धा पार्क की तरफ से पुलिस से टोले वाली मस्जिद के पास से मो. शहजाद उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। उसके आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों, इकाइयों और जनपदों से जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में मदेयगंज थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी, उप निरीक्षक सविता, नागवेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार तिवारी, परितोष कुमार मिश्रा, दिव्याशु मिश्रा, बृजेश कुमार और सुधीर कुमार शामिल रहे।

तेलीबाग चौराहे पर नगर निगम के डंपर की टक्कर से मजदूर की मौत

संवाददाता लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग चौराहे पर रविवार सुबह नगर निगम के डंपर की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि शनि मंदिर, तेलीबाग चौराहे पर कई मजदूर मजदूरी के लिए जाने के लिए खड़े थे। इसी दौरान नगर निगम लखनऊ के डंपर संख्या यूपी 35 टी 2143 ने एक मजदूर को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पीजीआई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को मोर्चरी भेज दिया। मृतक के पास से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला है। उसके दाहिने हाथ पर ‘विमलेश’ नाम गुदा हुआ पाया गया है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ अन्य आवश्यक प्रयास कर रही है। दुर्घटना के बाद डंपर को स्थानीय चालक की मदद से थाने लाया जा रहा है, जबकि डंपर चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुलफाम हत्याकांड में 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता लखनऊ। चिनहट थाना पुलिस और सर्विलांस टीम पूर्वी जोन की संयुक्त टीम ने गुलफाम अहमद की हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी तौफीक अहमद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को रायपुर बाबूगंवा चौराहे के पास से हिरासत में लिया गया। तौफीक अहमद पुत्र हकीम अहमद निवासी छिल्लावा छोटी तकिया, थाना घुघटेर, बाराबंकी का रहने वाला है और उसकी उम्र 21 वर्ष है। चिनहट थाने में दो जून 2026 को 22 वर्षीय गुलफाम अहमद के लापता होने के संबंध में गुमशुदगी संख्या 86/2026 दर्ज की गई थी। मामले की जांच उप निरीक्षक रितेश सिंह को सौंपी गई थी। इसके बाद 19 जुलाई 2026 को गुलफाम के भाई इस्तीयाक अहमद पुत्र मुस्ताक अहमद निवासी ग्राम ज्ञानीपुर, थाना शिवागं, सुल्तानपुर की तहरीर पर गुमशुदगी को तत्पीम करते हुए अपहरण के आरोप में मुकदमा अपराध संख्या 387/2026 धारा 140(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। विवेचना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र द्वारा की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर गुलफाम की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस के अनुसार मामले में आरोपी समीर और मोहम्मद साहिल को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। तौफीक अहमद इस मुकदमे में तभी से वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास के संबंध में दूसरे थानों, इकाइयों और जनपदों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मामले में मुकदमे में हत्या से संबंधित धाराएं 103(1), 238 और 3(5) बीएनएस भी बढ़ाई गई हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में चिनहट थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र, उप निरीक्षक अभय कुमार सिंह, उप निरीक्षक अंकुश, उप निरीक्षक कपिल कुमार और हेड कांस्टेबल गजेंद्र प्रताप सिंह तथा सर्विलांस टीम पूर्वी जोन से उप निरीक्षक अमरनाथ चौरीसिया, हेड कांस्टेबल संदीप पांडेय, कांस्टेबल शिवानंद खरवार, कांस्टेबल तर्नजीत सिंह, कांस्टेबल प्रदीप और कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह शामिल रहे।

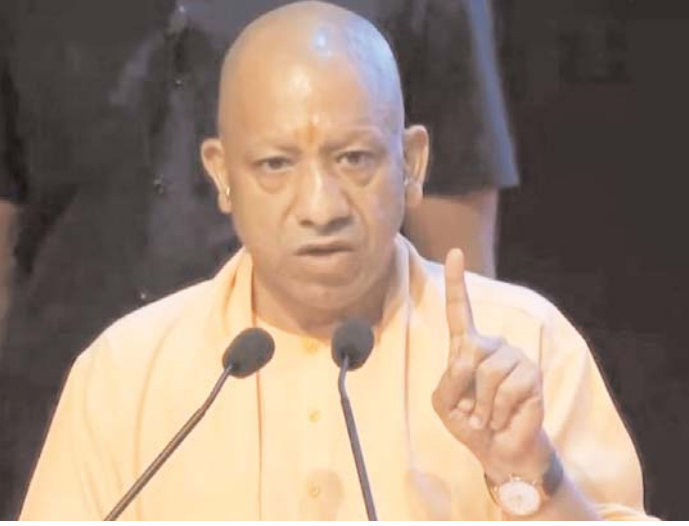
पारा में प्लाट की झोपड़ी में अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग का खुलासा, 27 सिलेंडर बरामद

संवाददाता लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र की जनता विहार कॉलोनी में बाउंड्री से घिरे एक प्लाट के अंदर बनी झोपड़ी में चोरी-छिपे घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग किए जाने की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर 27 भरे हुए घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर 2026 को सूचना मिली थी कि प्लाट के अंदर झोपड़ी में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग की जा रही है और कई भरे हुए सिलेंडर मौके पर रखे हैं। सूचना पर उप निरीक्षक विनय पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद एक व्यक्ति भाग निकला। मामले की जानकारी तत्काल आपूर्ति विभाग को दी गई, जिसके बाद विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। बरामद 27 सिलेंडरों और अन्य संबंधित सामग्री को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर प्लाट के स्वामी तथा मौके पर अवैध गतिविधि संचालित करने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुट रही है।

इंडिया रिकल्स प्रतियोगिता के लिए अब 22 सितंबर तक करें आवेदन

संवाददाता लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इंडियास्किल्स प्रतियोगिता 2026-27 में प्रतिभाग करने के इच्छुक युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 22 सितंबर 2026 कर दी गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) ने युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि तक अपना पंजीकरण अवश्य करा लें।इच्छुक अभ्यर्थी स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा जारी किए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके भी पंजीकरण किया जा सकता है। तिथि बढ़ाए जाने से प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव



अग्रवाल ने बताया कि इंडियास्किल्स प्रतियोगिता युवाओं को अपनी व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता प्रदर्शित करने के लिए व्यापक मंच उपलब्ध कराती है। प्रतियोगिता की प्रक्रिया जिला स्तर से शुरू होकर मंडल, राज्य, रीजनल और

राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ती है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिल सकता है। प्रतियोगिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, इंटरनेट ऑफ

यूपी में दस वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला, कई अहम विभागों में फेरबदल

संवाददाता लखनऊ। प्रदेश सरकार ने रविवार रात 10 वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। इसमें कई अधिकारियों से महत्वपूर्ण विभाग लेकर दूसरे अधिकारियों को सौंपे गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को वर्तमान पद के साथ अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। फेरबदल में उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद, ऊर्जा और श्रम जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं।

अमित कुमार घोष को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा बनाया गया है। अभी उनके पास चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रभार था।

अमृत अभिजात को वर्तमान पद के साथ परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वी. हेकाली झिमोमी को प्रमुख सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के स्थान पर प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। महेंद्र प्रसाद अग्रवाल को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा से हटाकर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। अनिल



कुमार को प्रमुख सचिव पंचायतीराज से हटाकर प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले आयुक्त, खाद्य एवं रसद की जिम्मेदारी दी गई है। पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के मुद्दे पर पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर से इनकी अनबन चल रही थी। मंत्री ने इस योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इनकी शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। डॉ. एमकेएस सुंदरम को कृषि विभाग से जुड़े कई अहम दायित्व सौंपे गए हैं। उन्हें प्रमुख सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान तथा कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन की

जिम्मेदारी दी गई है। कृषि विभाग में इन दायित्वों को संभाल रहे रविंद्र को प्रमुख सचिव पंचायती राज बनाया गया है।अमित गुप्त को वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऊर्जा विभाग में भी बड़ा बदलाव किया गया है। रणवीर प्रसाद को प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा तथा उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और यूपीएसएलडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है।

आशियाना का पकरी पुल बना जाम का घर



ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल

संवाददाता लखनऊ। आशियाना क्षेत्र में स्थित पकरी पुल लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम के कारण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। व्यस्त समय में पुल पर वाहनों का दबाव इतना बढ़ जाता है कि लंबा जाम लगना आम बात हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब ट्रैफिक प्रबंधन और अव्यवस्थित यातायात के चलते यहां कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।पुल की मौजूदा स्थिति को लेकर ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बढ़ते यातायात के बावजूद जाम को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था

नजर नहीं आती। वहीं, सड़क और आसपास की यातायात व्यवस्था को लेकर भी लोगों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। सवाल यह है कि जब पकरी पुल पर लगातार यातायात का दबाव बढ़ रहा है, तो इसके चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की दिशा में ठोस पहल कब होगी? पकरी पुल की समस्या आम केवल जाम तक सीमित नहीं रह गई है। नगर निगम की सड़क व्यवस्था और ट्रैफिक पुलिस की यातायात प्रबंधन व्यवस्था—दोनों पर स्थानीय लोगों की नज़रें टिकी हैं। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण करें, यातायात व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करें और बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए पुल के चौड़ीकरण की व्यवहार्यता पर कार्रवाई करें। सवाल सीधा है—आशियाना के लोगों को जाम और दुर्घटनाओं के खतरे से राहत कब मिलेगी?

आकाश आनंद और बहन को पार्टी की जिम्मेदारी से दूर रखेंगे, ईशान आनंद को आगे करेंगी मायावती

संवाददाता लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने परिवारवाद और पार्टी संगठन में रिश्तेदारों की भूमिका को लेकर बड़ा फैसला घोषित किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी और समाज के लिए काम करने वालों को अपने भाई-बहनों तथा नजदीकी रिश्ते-नातों के मोह से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी और निष्प के साथ काम करना चाहिए। मायावती ने कहा कि बसपा के संस्थापक काशीराम ने राजनीति में आने के बाद अपने नजदीकी रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से हमेशा दूरी बनाए रखी और उन्हें केवल निस्वार्थ भाव से पार्टी संगठन में काम करने की अनुमति दी। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बहुजन समाज के हित और कल्याण के लिए समर्पित की। मायावती ने कहा कि काशीराम से प्रेरित होकर उन्होंने भी अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित करने का फैसला किया।मायावती ने कहा कि महिला होने के कारण उन्हें मजबूरी में अपने किसी न किसी भाई-बहन को



हमेशा साथ रखना पड़ा, जिसके तहत उनके छोटे भाई आनंद कुमार पिछले कई वर्षों से उनकी सेवा में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने बताया कि आनंद कुमार के विशेष आग्रह पर उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को भी राजनीति में आगे बढ़ाया गया, लेकिन शादी के बाद आकाश आनंद के रवैये और गतिविधियों को देखते हुए कुछ दिन पहले उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। मायावती ने आरोप

लगाया कि आकाश आनंद अब अपने समुद्र अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में हैं और ऐसी स्थिति में उन्हें पार्टी में वापस लेना पार्टी के लिए विश्वासघात होगा। उन्होंने कहा कि वह पार्टी विरोधी किसी भी गलत कार्य को स्वीकार नहीं कर सकवें।बसपा अध्यक्ष ने कहा कि आनंद कुमार के परिवार के किसी सदस्य को आगे बढ़ाने को लेकर पिछले कुछ समय से उनके सामने दुविधा थी। सभी

थिंग्स, ड्रोन, कोडिंग, वेलडिंग, ब्यूटी एंड वेलनेस सहित विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रतिभागियों को अपनी दक्षता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को पदक के साथ पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाती है। राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता को 20 हजार रुपये, रजत पदक विजेता को 15 हजार रुपये और कांस्य पदक विजेता को 10 हजार रुपये दिए जाते हैं। वहीं रीजनल स्तर पर यह पुरस्कार राशि क्रमशः 75 हजार, 50 हजार और 25 हजार रुपये है। राष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रतिभागियों को इससे अधिक पुरस्कार राशि के साथ विशेष सम्मान प्राप्त होता है। इंडियास्किल्स में प्रतिभाग करने वाले उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से प्रतिभागियों की क्षमता को निखारने का प्रयास किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को आगे वर्ल्डस्किल्स

जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि यह पहल युवाओं को केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रखती, बल्कि कौशल आधारित करियर के नए अवसरों से भी जोड़ती है। इंडियास्किल्स की प्रक्रिया के दौरान प्रशिक्षकों और असेसरों की आवश्यकता होती है। पूर्व राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विजेताओं को प्रशिक्षक और असेसर के रूप में कार्य करने के अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आईटीआई में प्रशिक्षक के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अनुसार, इंडियास्किल्स प्रतियोगिता युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने, उसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने और कौशल आधारित करियर की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देती है। तिथि बढ़ाए जाने से अब अधिक युवाओं को इसमें भाग लेने का अवसर मिलेगा।

फर्जी सट्टे की बुकिंग कर कैमरा लूटने की साजिश का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

संवाददाता लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र में फर्जी सट्टे की बुकिंग कर कैमरा मैन को चुनसान स्थान पर ले जाकर कैमरा और उपकरण लूटने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे साजिशकर्ता और कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से स्कूटी और 560 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार 17 अगस्त 2026 की रात करीब 8:40 बजे एक कैमरा मैन को अज्ञात लोगों ने फर्जी सट्टे की बुकिंग कराने के बहाने जिल्लापुर रोड, जेहटा के चुनसान स्थान पर बुलाया था। वहां मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उसका कैमरा लूट लिया। मामले में 18 अगस्त को मनीष भारती की तहरीर पर दुबग्गा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी और अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी के पर्यवेक्षण में दुबग्गा पुलिस और सर्विलांस टीम गठित की गई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर 25 अगस्त को मलहा अंडरपास के पास चार आरोपियों हेमंत सोनकर, सार्थक पाण्डेय, अजय कुमार और कुलदीप मिश्रा को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से लूटा गया कैमरा व उसके उपकरण तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की गई थी। चारों आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।पुलिस जांच में घटना के षड्यंत्रकारी और मास्टरमाइंड के रूप में सामने आए हर्षित श्रीवास्तव की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने उसे शनिवार 19 सितंबर को कुछ चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी हर्षित श्रीवास्तव पुत्र राजीव कुमार श्रीवास्तव, निवासी जनरैलगंज, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ, उम्र करीब 25 वर्ष है। पुलिस ने उसके कब्जे से स्कूटी संख्या यूपी 32 आरडी 2768 और 560 रुपये नकद बरामद किए हैं।इस मामले में दुबग्गा थाने में धारा 309(4), 317(2) और 61 भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक श्रीकान्त राय, उपनिरीक्षक सुमित कुमार श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक अमरनाथ, उपनिरीक्षक जय प्रकाश तिवारी और आरक्षी अंकित यादव शामिल रहे।

संघटक राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षक-कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग



संवाददाता लखनऊ। संघटक राजकीय महाविद्यालय शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन के प्रथम अधिवेशन में प्रदेश के संघटक राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के नियामितीकरण समेत कर प्रमुख मांगें उठाई गईं। रविवार को जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित अधिवेशन में कर्मचारियों की सेवा सुर्खा और वेतनमान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। अधिवेशन में संगठन ने मांग की कि महाविद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित किया जाए। इसके साथ ही उन्हें अन्य राजकीय महाविद्यालयों

के कर्मचारियों के समान वेतनमान और सेवा सुर्खा प्रदान करने तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2020 के विनियमों को लागू करने की मांग की गई। संगठन ने मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता के लिए समय निर्धारित करने की भी मांग रखी, ताकि कर्मचारियों की समस्याओं और उनके समाधान पर सरकार के साथ विचार-विमर्श किया जा सके।

संगठन के महासचिव डॉ. विकास बाजपेयी ने कहा कि संघटक राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को यूजीसी के 2020 के विनियमों के अनुरूप वेतनमान

दिलाना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। अधिवेशन में संगठन के अध्यक्ष डॉ. बालक राम राजवंशी, उपाध्यक्ष डॉ. रेखा बंसल, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. आनंद विहारी सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र भाटी, डॉ. शीलेन्द्र कुमार, डॉ. सुजीत पायला, डॉ. प्रिया सिंह, डॉ. अरुण कुमार चौबे, डॉ. शैली चौहान और डॉ. अमित कुमार मिश्रा समेत सैकड़ों शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सितंबर को बसपा की अखिल भारतीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि परिवार को लेकर लिया गया यह फैसला काशीराम की विचारधारा से प्रेरित है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के 23 पार्टी की कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी और इस फैसले में अब कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के परिवार से अब केवल ईशान आनंद को सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ईशान आनंद ने पार्टी विरोधी कोई गंभीर कृत्य किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी में कोई छोटी-बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी, बल्कि पार्टी में कार्यरत किसी मिशनरी और वफादार दलित कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया जाएगा।मायावती ने कहा कि देश और जनहित से जुड़े जरूरी मुद्दों के साथ इस विषय पर विचार के लिए 23

सितंबर को बसपा की अखिल भारतीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि परिवार को लेकर लिया गया यह फैसला काशीराम की विचारधारा से प्रेरित है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के 23 पार्टी की कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी और इस फैसले में अब कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के परिवार से अब केवल ईशान आनंद को सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ईशान आनंद ने पार्टी विरोधी कोई गंभीर कृत्य किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी में कोई छोटी-बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी, बल्कि पार्टी में कार्यरत किसी मिशनरी और वफादार दलित कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया जाएगा।मायावती ने कहा कि देश और जनहित से जुड़े जरूरी मुद्दों के साथ इस विषय पर विचार के लिए 23



पेट भरतीं दिल्ली की ‘ अटल कैटीनें ’

अटल कैटीनें दिल्ली सरकार की एक पहल है, जहां 5 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से भोजन उपलब्ध कराया जाता है। हजारों लोगों के लिए, अटल कैटीनें पका हुआ भोजन प्राप्त करने का एक नियमित ठिकाना बन गई हैं, जिसके लिए उन्हें बहुत कम खर्च करना पड़ता है। दिसम्बर 2025 से, दिल्ली सरकार ने शहर भर में 100 स्थानों पर अटल कैटीनें शुरू की हैं, जो प्रतिदिन लगभग 50,000 भोजन वितरित करती हैं। प्रत्येक कैटीन की प्रतिदिन 1,000 भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता है, जिसमें दोपहर का भोजन और रात का भोजन दोनों के लिए 500-500 भोजन शामिल हैं। 100 कैटीनों के संचालन का ठेका निविदा प्रक्रिया के माध्यम से 11 अलग-अलग कंपनियों या गैर-सरकारी संगठनों को दिया गया है। कंपनी प्रत्येक भोजन के लिए 30 रुपए शुल्क लेती है, जिसमें से वह व्यक्ति से 5 रुपए और सरकार से 25 वसूल करती है। 100 कैटीनों को 5-5 के 20 समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह की कैटीनों के लिए भोजन एक केंद्रीय कैटीन में पकाया जाता है और अधिकारियों के अनुसार, विक्रेता को वहां से किसी और को भोजन की आपूर्ति करने की अनुमति नहीं है। पका हुआ भोजन फिर 20-30 लीटर के स्टील ड्रम या इंसुलेटेड कैसरोल में कैटीनों में वितरित किया जाता है। पिछले साल 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर योजना के शुभारंभ के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में कोई भी



भूखा न रहे। वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट में भारत 123 देशों में से 102वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 25.8 है, जो इसे ‘गंभीर’ भूख की श्रेणी में रखता है। अधिकांश कैटीनें झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों के पास ही बनी हैं लेकिन

कुछ अस्पतालों, कॉलेजों और बस टर्मिनलों के पास स्थित हैं, जो विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को आकर्षित करती हैं-कूड़ा बीनने वाले, ऑटो रिक्शा चालक, डिलीवरी एजेंट, छात्र। प्रत्येक कैटीन में हर भोजन के बाद दाल और

सब्जी बदल जाती है। बारी-बारी से काली दाल, मसूर दाल, चना दाल, आलू और चना या आलू और टमाटर परोसे जाते हैं। अटल कैटीनों में लोग अपनी प्लेटें फिर से भर सकते हैं। माइक्रो एजुकेशन एंड सोशल वेल्फेयर

सोसाइटी, जो एक गैर-लाभकारी संस्था है और 10 अटल कैटीन चलाती है, के सलाहकार मुकेश कुमार अग्रवाल कहते हैं, ‘‘आनंद विहार जैसी कैटीन के लिए, जहां दोपहर में लगभग 500 भोजन परोसे जाते हैं, हम लगभग 125 किलो दाल और सब्जी, 100 किलो चावल और 2,000 रोटियां बनाते हैं।’’ हर कैटीन लगभग एक जैसी है, प्रत्येक में 6 मेज और 8 स्टूल हैं, सफेद टाइलों का फर्श है और धातु की छत है। कैटीन के कर्मचारी शिकायत करते हैं कि उन्हें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिलती। एक कैटीन में खाना परोसने वाली 40 वर्षीय महिला का कहना है कि उसे महीने में केवल 8,500 रुपए मिलते हैं। ठेकेदार की कार्रवाई के डर से अपनी महचान गुप्त रखने वाली महिला कहती है, ‘‘हम सुबह 10 बजे आते हैं और रात 9 बजे के बाद ही जाते हैं और महीने में केवल 2 दिन की छुट्टी मिलती है। हमें जो वेतन मिलता है वह बहुत कम है और कहीं और काम करने का समय भी नहीं है।’’हर कैटीन के बाहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता और वाजपेयी की तस्वीरें लगी हैं। कैटीन का नाम वाजपेयी के नाम पर रखा गया है, लेकिन उनकी तस्वीर तीनों में सबसे छोटी है। कैटीनों के अंदर भी इसी तरह के पोस्टर लगे हैं। आंध्र प्रदेश के 48 वर्षीय अपू राव ने कहा, ‘‘मोदी अब (रियायती) भोजन दे रहे हैं लेकिन दक्षिण में तो यह बहुत पहले से दिया जा रहा है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। यह पहले यहीं होना चाहिए था। गैस सिलेंडर की कीमत अब 4,000 रुपए हो गई है। वह (मोदी) असल में हमसे छीन

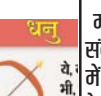
रहे हैं। सब कुछ महंगा हो गया है।’’ दिहाड़ी मजदूर राव का कहना है कि वह कैटीन में नियमित रूप से नहीं आते, क्योंकि उन्हें खाना पसंद नहीं है। ‘‘सबमें आलू खल देते हैं। लेकिन जब काम नहीं मिलता, तो मैं यहां आ जाता हूं।’’ वह कहते हैं कि दाल ठीक है। दिल्ली के अलावा, अन्य राज्यों में भी सार्वजनिक कैटीनों में रियायती भोजन उपलब्ध है। आई.आई.टी. दिल्ली की प्रोफेसर रीतिका खेरा का कहना है कि भारत के लगभग एक दर्जन प्रमुख राज्य ऐसा करते हैं, जिनमें तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। उनका कहना है कि 1990 के दशक के मध्य में महाराष्ट्र में शुरू किए गए झुन्का भाकर केंद्र संभवतः इस तरह की पहली सार्वजनिक कैटीन पहल है। अटल कैटीन कई जगहों पर काफी लोकप्रिय हैं, जिनमें से एक दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित आनंद विहार है, जो अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर है। यहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है, जिनमें से कई लोग बड़े-बड़े यात्रा बसें लिए होते हैं। ‘भरपेट खाना सिर्फ 5 रुपये में!’ यह नारा कैटीनों में बार-बार सुनाई देता है। 17 वर्षीय खुशबू कुमारी, जो अपने माता-पिता और तीन भाई-बहनों के साथ यात्रा कर रही हैं, के लिए यह कैटीन एक विश्राम स्थल है, क्योंकि वे उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित अपने गांव पहुंचने के लिए बसें बदल रही हैं। वह कहती हैं कि खाना उनके स्कूल में मिलने वाले दोपहर के भोजन से बेहतर है, हालांकि रोटी कच्ची थी।

संम्पादकीय

हमें उस भरोसे पर खरा उतरना होगा...!

मेरे पड़ोसी ने जोश में आकर कहा, ‘‘भारत को पांच अरब डॉलर मिल रहे हैं।’’ मेरे हाथ से चाय का कप लगभग गिरते-गिरते बचा। मैंने पूछा, ‘‘किससे? और सबसे जरूरी बात, हम इसे कब बांटेंगे?’’ उन्होंने रूखेपन से कहा, ‘‘यह तुम्हारे लिए नहीं है। अमरीकी कंपनी ‘एप्लाइड मैटेरियल्स’ अगले दस सालों में भारत में पांच अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है।!’’ मैंने कहा, ‘‘यह तो बहुत अच्छी बात है। वह क्या बनाती है?’’ ‘‘चिप बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण।!’’ ‘‘आलू के चिप्स?’’ उन्होंने मुझे ऐसे देखा जैसे कोई बुजुर्ग रिस्तेदार को स्मार्टफोन चलाना सिखाते समय सब से देखता है। उन्होंने थककर कहा, ‘‘कम्प्यूटर चिप्स। वे छोटी-छोटी चीजें, जो फोन, कार, मैडिकल उपकरणों, सैटेलाइट और लगभग हर आधुनिक मशीन को चलाती हैं।’’ मैंने सोच-समझकर अपने फेन की ओर देखा। उस सुबह वह दो बार गिर चुका था, मेरा चेहरा पहचानने से इंकार कर रहा था और मेरे पुजारी को भेजे गए मैसेज में ‘गुड मॉर्निंग’ को ‘गोट मॉर्निंग’ (बकरी का शोक) में बदल दिया था। मैंने कहा, ‘‘लगता है उसके अंदर की वह छोटी भी चीज बहुत ज्यादा काम कर रही है।’’ फिर भी, यह सच में उत्साह बढ़ाने वाली खबर है। सालों से भारत अपने सबसे अच्छे दिमागों को विदेश भेजता रहा है। अब दुनिया को सिर्फ दिमाग सप्लाई करने से कहीं ज्यादा करने का मौका है। हम ऐसी प्रयोगशालाएं, फैक्टरियां और हुनर विकसित कर सकते हैं, जो उन दिमागों को यहीं कुछ नया बनाने में मदद करें। सैमीकंडक्टर चिप भले ही छोटी हों लेकिन उनसे जुड़ी इंडस्ट्री बहुत बड़ी है। जो देश ऐसी टैक्नोलॉजी बना सकता है और उसे सपोर्ट कर सकता है, उसे न सिर्फ पैसा और रोजगार, बल्कि आत्मविश्वास भी मिलता है। वह दूसरों की बनाई चीजें खरीदने की बजाय ऐसी चीजें बनाने की ओर बढ़ने लगता है, जिन्हें दूसरे खरीदना चाहते हैं। मेरे पड़ोसी ने समझदारी से सिर हिलाया। उन्होंने कहा, ‘‘इससे भारत एक बड़ा टैक्नोलॉजी सेंटर बन सकता है।’’ मैंने जवाब दिया, ‘‘बशर्ते फैक्टरी बनाने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म में सहाइ फेटोकांफी, तीन हलफामे और 1996 में रिटायर हुए किसी अफसर के साइन की जरूरत न हो।’’ उन्होंने सिर हिलाना बंद कर दिया। सिर्फनिवेश काफी नहीं होगा। मैंने मन ही मन सोचा और साथ ही जर्न के तौर पर उन्होंने जो चाय का कप मुझे दिया, उसे खुशी-खुशी ले लिया। हमें टैलेंट के लिए काम करना, रिसर्च को आगे बढ़ाना और आईडिया को प्रोडक्ट में बदलना आसान बनाना होगा।

हमें अपने युवाओं को सिर्फ टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना ही नहीं, बल्कि उसे समझना और बनाना भी सिखाना होगा। सबसे जरूरी बात, हमें वफादारी की बजाय काबिलियत, लकीर का फकीर बनने की बजाय जिज्ञासा और आज्ञाकारी होने के बजाय इनोवेशन को बढ़ावा देना होगा। एप्लाइड मैटेरियल्स भारत पर पांच अरब डॉलर का भरोसा जता रहा है। हमें कुशलता, शिक्षा और ईमानदारी के साथ उस भरोसे पर खरा उतरना होगा।

	आज का राशिफल		
	निकट संबंधों में शंकाओं को हवीं न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधी में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।		आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए गहलें की अनुकूलता लाभप्रद होगी।
	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए गहलें की अनुकूलता लाभप्रद होगी।		बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अग्निभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
	नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।		महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में अत्यधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएंगी।
	किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।		परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होंगे।
	मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तुष्ट होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।		राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसीनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
	विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अगिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सन्निध्य प्राप्त होगा।		आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?युद्ध की

–ललित गर्ग–

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व को अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है--शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।+ संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन ‘रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं’ को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है। दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक



माए गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रेन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बलिष्क मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होंगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत

बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी। इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत

देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धनिराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए। दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे

कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंथोनी गुतेर्रेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है। भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संभ्रमता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण करती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उजर हिंसा से नहीं, तर्क,

संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा।

आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षा में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निमित्त होते हैं।मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

यू.पी.आई. भुगतान शुल्क के मद्देनजर उभरती

दीपिका अरोड़ा

सरकार और एन.पी.सी.आई. द्वारा लिए गए फैसले के रहत 15 अक्टूबर 2026 से यू.पी.आई. भुगतान पर मामूली शुल्क संबंधी निर्णय यथावत बने रहने का संकेत मिलने से आम-ओ-खास में चर्चाएं भी जोर पकड़ने लगी हैं। 2,000 रुपए से अधिक यू.पी.आई. भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मचौट शुल्क वसूलने के फैसले पर जन साधारण से लेकर विशेषज्ञों तक की राय बंटी हुई है। सरकार तथा वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ‘पर्सन-टू-पर्सन’ कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, बल्कि 2,000 रुपए से ऊपर की राशि पर भुगतान फ़ैस लोगों की बजाय व्यापारियों को चुकानी होगी। पृष्ठभूमि खंगालें तो यू.पी.आई. (यूनिफ़ाइड पैमेंट्स इंटरफ़ेस) के रूप में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा एक ऐसी उत्कृष्ट प्रणाली विकसित की गई, जिसने लेन-देन की परिभाषा ही बदल कर रख दी। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसकी वजह से भारत की गणना आज विश्व के सबसे बड़े रियल-टाइम पैमेंट बाजारों में शीर्षस्थ होती है। स्मार्टफ़ोन के माध्यम से किन्हीं भी 2 बैंक खातों के बीच धन हस्तांतरण को त्वरित, सुविधाजनक एवं



सरल बनाना किसी क्रांति से कम न था। यू.पी.आई. की सबसे बड़ी विशेषता है इसका ‘एकल-विलक’ टू-फैक्टर प्रमाणीकरण के साथ कार्य करना, जोकि लेन-देन के लिहाज से सुरक्षाचक्र साबित होता है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होने वाले यू.पी.आई. की लोकप्रियता में प्रमुख कारण रहा, पिछले लक्ष्मण 6 वर्षों में इसका पूरी तरह निरुशुल्क होना। इससे भारत में वित्तीय समावेशन को खासा बल मिला। एन.पी.सी.आई. के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में यू.पी.आई. पर लगभग 2,450 करोड़ लेन-देन हुए। आज सड़क किनारे सड़की बेचने वाले से लेकर बड़े मॉल तक में ‘क्यू.आर. कोड’

देखा जा सकता है। निरुसदेह, किसी भी व्यवस्था के संचालन की एक लागत होती है, जो प्रबन्धन व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु अनिवार्य भी है। सरकार तथा वित्त मंत्रालय के तर्क अनुसार, अब्बों टून्जेकरन के बड़ते दबाव के बीच, साइबर सुरक्षा, सर्वर अपग्रेड, थोखाधड़ी आदि रोकने तथा भविष्य में भी इस प्रणाली को निर्बाध चलाए रखने के लिए शुल्क के तौर पर राजस्व उगाही समय की मांग बन चुकी है, हालांकि अभी तक इस लागत राशि का एक हिस्सा, जो सब्सिडी के रूप में सरकार बैंकों और फ़िन्टेक कंपनियों को चुकाती आई है, अप्रत्यक्षतः वह पैसा भी जनता का ही है। आम आदमी तथा व्यापारी वर्ग के नजरिए से विचारें तो उनकी चिंता भी

वाजिब है। ग्राहकों का मानना है कि विक्रेता यह शुल्क अंतरतः उनसे ही वसूलेंगे। वहीं व्यापारियों के अनुसार, एम.डी.आर. शुल्क का सीधा असर उनके लाभांश पर पड़ सकता है। ऐसे में छोटे व मध्यम उद्यमी कोई अतिरिक्त भार वहन करने की बजाय 2,000 से अधिक के लेन-देन हेतु यू.पी.आई. की अपेक्षा नकदी या अन्य भुगतान विधियों को प्राथमिकता दे सकते हैं। इससे डिजिटल समावेश के प्रयासों में गतिरोध उत्पन्न होने का संशय है। इससे भारत का नकदी रहित अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्रभावित होने के साथ, कोले धन वाली आध्यक्षी उपरने की आशंकाएं भी घेरने लगी हैं। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक, यू.पी.आई. भुगतानों पर शुल्क लेने का फैसला वित्त 8 माह से चरम पर रही महंगाई में और उछल ला सकता है। अनाज से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं तक के दाम में बड़बौती हो सकती है। ऐसा इसलिए, चूंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल तथा उर्वरक लगातार महंगे हो रहे हैं। कृषि सैक्टर में निवेश पहले ही कम हो चुका है। यह भी विचारणीय है, क्या व्यापारी कोई भी नया शुल्क अपनी जेब से भरने पर सहमत होगा? यानी ‘मचौट डिस्काउंट टेंट’ नाम



शिवमहेश दुबे को कानपुर देहात का जिले संगठन प्रभारी बनाए जाने पर जताया हर्ष

इटावा/महेवा । महेवा कस्बा निवासी भाजपा के जमीनी नेता एवं आर एस एस पृष्ठ भूमि से जुड़े पूर्व जिलाध्यक्ष इटावा ,निवर्तमान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कानपुर बुंदेलखंड तथा फरखाबाद में संगठन के जिला प्रभारी का दायित्व निभाने वाले शिवमहेश दुबे को अब कानपुर देहात जिले के संगठन का प्रभारी बनाए जाने पर भाजपाइयों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित करते हुए बधाई दी है।विदित हो कि गत शनिवार को प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े की सहमति के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी द्वारा आगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर सभी 98 संगठनात्मक जिलों के प्रभारी घोषित कर दिए कई जगह नए प्रभारी तो कई जगह परिवर्तन करते हुए जिम्मेदारी दी गई इसी क्रम में महेवा निवासी शिवमहेश दुबे को अब कानपुर देहात जिले की संगठन का प्रभारी बनाया गया श्री दुबे को नवीन दायित्व मिलने पर भाजपाइयों में हर्ष की लहर दौड़ गई ।

उन्हें बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा नेता कृपा नारायण तिवारी ,मीनाक्षी चौहान , वैभव पंडित ,मंडल अध्यक्ष उदय कुशवाहा , शिक्षक तरुण तिवारी ,पुरषोत्तम मिश्रा ,ओमदत्त तिवारी ,इंद्रभान सिंह जादौन , ध्रुव नारायण एडवोकेट ,अशोक दोहरे आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

यूरिया खाद से भरा एक ट्रक सड़क किनारे पलटा

संवाददाता
इटावा/ महेवा । थाना बकेवर क्षेत्र के कस्बा अहेरीपुर में रामताल के समीप रविवार को यूरिया खाद से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रक इटावा से यूरिया खाद लेकर औरैया की ओर जा रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रामताल के समीप अचानक ट्रक अनियंत्रित हो गया और देखते ही देखते सड़क किनारे पलट गया। ट्रक पलटने से उसमें लदी खाद की बोरियां भी प्रभावित हुईं। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों को नियंत्रित करते हुए यातायात व्यवस्था को संभाला। गनीमत रही कि हादसे में किसी बड़े जनहानि की सूचना नहीं है।पुलिस द्वारा ट्रक को हटवाने और घटना के कारणों की जानकारी जुटाने की कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की आवाजाही भी प्रभावित रही।

सैनिक प्रकोष्ठ की मासिक बैठक संपन्न संगठन को मजबूत करने के साथ पूर्व सैनिकों के आरक्षण का मुद्दा उठा



संवाददाता
भरथना। सैनिक प्रकोष्ठ, समाजवादी पार्टी विधानसभा भरथना की मासिक बैठक रविवार को अवध गाउँन, भरथना में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष श्री मेहरबान सिंह यादव ने की, जबकि संचालन सैनिक प्रकोष्ठ के प्रवक्ता शिव शंकर यादव, पूर्व सैनिक ने किया।बैठक में सैनिक प्रकोष्ठ के संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने तथा पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान भर्ती विज्ञापनों में पूर्व सैनिकों के आरक्षण को समाप्त किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश की सुरक्षा और सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, अधिकारों एवं समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है।बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया गया। साथ ही आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को सक्रिय करने और पार्टी के कार्यक्रमों एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव विश्राम सिंह यादव, जिलाध्यक्ष कमलेश चंद्र, संजीव कुमार, भगवंत सिंह सहित प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक का समापन संगठन को मजबूत करने तथा पूर्व सैनिकों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के संकल्प के साथ हुआ।

आरोपियों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज होने के बाद हुआ मृतक का अंतिम संस्कार

संवाददाता
इटावा/महेवा। नामदर्ज आरोपियों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज होने के बाद रविवार को हुआ मृतक दिनेश का अंतिम संस्कार । विदित हो कि बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम हनुमंतपुर निवासी दिनेश उर्फ अविनाश पुत्र सुभाष चंद्र की पत्नी पूजा देवी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि गत 17 सितम्बर को करीब दिने के 3 बजे मेरे घर से राहुल तिवारी उर्फ बन्टू पुत्र नामालूम निवासी ग्राम पैगूपुर थाना अजीतमल, जनपद औरैया दीपक त्रिपाठी उर्फ दीपू पुत्र सुमित नरायन निवासी ग्राम गौतमपुरा थाना बकेवर जिला इटावा अपने साथ ले गये और अगले दिन दिनांक 18 सितम्बर को उपरोक्त राहुल तिवारी अविनाश उर्फ दिनेश के घर आया और पत्नी पूजा से मांगकर अविनाश के कपड़े, मोबाइल तथा आधार कार्ड अपने साथ ले गया। जाते समय मृतक के भाई ब्रजेश कुमार द्वारा उक्त लोगों से पूछा तो उन्होंने कहा कि काम से जा रहे हैं, घण्टे 2 घण्टे बाद वापस लौट आयेगे। देर रात तक जब मेरा भाई वापस नहीं आया तो मैंने अपने गांव के तथा परिवार के राष्ट्रीय गौरव, संजीव कुमार व संजय कोशल को लेकर इन दोनों के घर रात में ही गये तो उन लोगों ने भाई के सम्बन्ध में कोई सन्तोषजनक उत्तर नहीं दिया तबसे प्रार्थी लगातार अपने भाई को इधर-उधर खोजता रहा, परन्तु उसका कोई पता नहीं चला। 20 सितम्बर शनिवार की सुबह करीब 6-7 बजे के करीब मुझे सूचना मिली कि एक लाश ग्राम अन्दावा के जमुनाघाट पर पड़ी हुई है, मैं अपने परिवार के लोगों के साथ वहां पर गया तो मैंने अपने भाई के शव की पहचान की और 112 नम्बर पर पुलिस को सूचित किया। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे भाई की हत्या उपरोक्त राहुल तिवारी उर्फ बन्टू पुत्र नामालूम निवासी ग्राम पैगूपुर थाना अजीतमल, जनपद औरैया दीपक त्रिपाठी उर्फ दीपू पुत्र सुमित नरायन निवासी ग्राम गौतमपुरा थाना बकेवर जिला इटावा के द्वारा कर दी गई है। शनिवार की शाम शव जैसे ही पोस्टमार्टम होने के बाद घर पहुंचा तो सपा सांसद जितेन्द्र दोहरे,विधायक भरथना राघवेन्द्र गौतम,विधायक प्रतिनिधि जीतू ठक्कुर डॉ एस पी सिंह , भीम आर्मी के मोहित गौतम ,राघवेंद्र सिंह ,सानू गौतम सहित तमाम अन्य लोग व सीओ भरथना रामदवन मौर्य व थानाध्यक्ष बकेवर विपिन मलिक पहुंचे।

काशी से वडनगर जा रही ‘सेवा यात्रा’ का उन्नाव में ऐतिहासिक स्वागत, बुलडोजर से हुई पुष्पवर्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन व सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर निकली 50 बाइक सवारों की यात्रा

सवाददाता
उन्नाव। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण एवं सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे ‘सेवा सकल्प अभियान’ के अंतर्गत वाराणसी (काशी) से गुजरात के वडनगर के लिए निकली ‘सेवा यात्रा’ के जनपद उन्नाव आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आम जनमानस ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ ऐतिहासिक स्वागत किया। करीब 50 बाइक सवार ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के जत्थे के साथ निकली इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सेवा कार्यों व सामाजिक कार्यकर्ता से जोड़ना तथा प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवाकाल के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।यात्रा के उन्नाव आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अनुराग अवस्थी ने कहा कि यह यात्रा सेवा, आस्था और संकल्प का अनुपम संदेश दे रही है। उन्होंने बताया

कि यात्रा दल काशां से पांवत्र गगाजल लेकर जा रहा है, जिससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की जन्मस्थली वडनगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। गंगा भारतीय सनातन परंपरा, आस्था और संस्कृति की जीवनधारा है और यह यात्रा उसी पावन धारा को गुजरात तक जोड़ रही है। जनपद की सीमा में प्रवेश करते ही गुलहरिया, अकोहरी एवं मोतेश्वर मन्दिर (मौरावा) में डोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ यात्रियों का जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद आयोजित चौपाल में कार्यकर्ताओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया। बाबूराम पाल डिग्री कॉलेज, मौरावा में भोजन व्यवस्था के उपरांत यात्रा जब मिर्री चौराहा (पुरवा) पहुंची, तो वहाँ पुरवा जिलाध्यक्ष श्री अनिल सिंह के नेतृत्व में विशाल जनसमूह उमड़ पड़ा। कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह भव्य स्वागत मंच बनाए थे



तथा कई स्थानों पर बुलडोजर पर चढ़कर पुष्पवर्षा करते हुए यात्रियों का अभिनंदन किया। इसके पश्चात मंगत खेड़ा, बिछिया एवं दही चौकी में भी यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ।पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्य संयोजक व जिला उपाध्यक्ष श्री नवीन भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अनुराग अवस्थी, क्षेत्रीय महामंत्री (भाजपा) श्री राजीव

जिला महामंत्री उदय प्रताप सिंह का प्रमुख भूमिका रही। स्वागत कार्यक्रमों में प्रधान संघ अध्यक्ष भोले सिंह, अरुण सिंह, शुभम चौधरी, नरेन्द्र कुशवाहा, रामशंकर लोधी, विजय गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिक्रम चौधरी, मण्डल अध्यक्ष वीरेंद्र लोधी, ब्लॉक प्रमुख आनन्द गुप्ता, मयंक मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता, राकेश लोधी, नरेन्द्र व सुनील प्रमुख प्रतिनिधि दीपशू चौधरी, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सायंकालीन सत्र में सैलब्रेशन होटल/गेस्ट हाउस में सांस्कृतिक संध्या तथा रात्रि भोजन व विश्राम का आयोजन किया गया। रात्रि विश्राम के उपरांत कल दिनांक 21 सितम्बर को प्रातः यह यात्रा उन्नाव सदर संयोजक व जिला उपाध्यक्ष श्री नवीन सिंह, भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्री बालाराव गुप्ता एवं जिला महामंत्री डॉ. रजनीश वर्मा

अक्टूबर में पीएम करेंगे गंजारी स्टेडियम का उद्घाटन नवंबर में हो सकता है पहला रणजी मुकाबला; जानें खास

संवाददाता
वाराणसी। वाराणसी के गंजारी स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं। इसके बाद नवंबर में स्टेडियम में पहला रणजी मुकाबला होने की संभावना है। स्टेडियम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उद्घाटन के बाद यहां बड़े क्रिकेट आयोजनों की शुरुआत के साथ पूर्वांचल को नया खेल केंद्र मिलने की उम्मीद है। **गंजारी स्टेडियम में त्रिशूल के आकार की पलड लाइट्स**
वॉटसेप चैनल फॉलो करें
गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट का इंतजार अब खत्म होने की ओर है। अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों स्टेडियम को उद्घाटन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की टीम स्टेडियम का निरीक्षण करेगी।

सब कुछ मानकों के अनुरूप रहा तो नवंबर रणजी ट्रॉफी का मुकाबला यहां कराया जा सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी गंजारी में मैच की तारीख और आधिकारिक वेन्यू की घोषणा नहीं की है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक गंजारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब अपने पहले क्रिकेट मुकाबले की मेजबानी की तरफ बढ़ रहा है। स्टेडियम का निर्माण अंतिम चरण में है। अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इसके उद्घाटन की तैयारी है। उद्घाटन के बाद बीसीसीआई की निरीक्षण टीम मैदान, पिच, दर्शक सुविधाओं, खिलाड़ियों की व्यवस्थाओं और अन्य क्रिकेट संबंधी इंतजामों को परखेगी। बीसीसीआई ने 2026-27 के घरेलू क्रिकेट सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस सत्र में कुल 1,788 मुकाबले खेले जाने हैं। रणजी ट्रॉफी को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। बीसीसीआई के आधिकारिक कार्यक्रम में रणजी ट्रॉफी का पूरा सत्र शामिल है। फिलहाल मुकाबले

के लिए आधिकारिक स्थल के रूप में घोषित नहीं किया गया है।

हालांकि, हाल की क्रिकेट रिपोर्टों के मुताबिक, गंजारी स्टेडियम पूरी तरह तैयार होने के बाद अक्टूबर-नवंबर में रणजी ट्रॉफी का मुकाबला कराए जाने की संभावना है। इस मैच के जरिये नई पिच, आउटफील्ड और स्टेडियम की दूसरी व्यवस्थाओं को परखने की योजना बताई जा रही है। इसके बाद अगले साल महिला प्रीमियर लीग के मुकाबलों की मेजबानी के लिए भी वाराणसी का नाम सामने आया है। गंजारी में बनने वाला स्टेडियम लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। 2026-27 के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र में नवंबर में टीम इंडिया का वाराणसी मैच निर्धारित नहीं है। दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के मुकाबले दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद, राजकोट, कटक और पुणे में खेे गए हैं। इसलिए गंजारी में नवंबर के संभावित मैच को रणजी ट्रॉफी के घरेलू मुकाबले के तौर पर

सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लखनऊ। बंथरा में रविवार तड़के एक सड़क हादसे में 25 साल के युवक पिंटू की मौत हो गई। वह पैदल सड़क पार कर रहा था, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार, पिंटू हरदोई जिले के संडीला स्थित कटिया मऊ गांव का रहने वाला था। वह कुछ समय से अपनी पत्नी सोनी और बेटे चिंटू के साथ पीजीआई के उत्तरेंडिया में रहकर मजदूरी करता था। शनिवार रात करीब 8 बजे पिंटू बंथरा के जुनाब गंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती अपनी साली सुमन को देखने गया था। रविवार तड़के करीब 4.30 बजे वह प्रसाद हॉस्पिटल के पास सड़क पार कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिंटू की मौके पर ही मौत हो गई।

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय में सतत वृद्धि करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से आपनानिर्भर बनाने के उद्देश्य से औद्यानिक विकास योजनाओं का सघन क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। पारंपरिक खाद्यान्न फसलों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करते हुए उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों, संरक्षित खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना वर्तमान विकास नीतियों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में जनपद शाहजहांपुर में औद्यानिक फसलों का दायरा बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक सुदृढ़ और टिकाऊ आधार प्रदान किया जा रहा है।

जनपद शाहजहांपुर ऐतिहासिक रूप से धान, गेहूं और गन्ने की पारंपरिक खेती का प्रमुख केंद्र रहा है। यद्यपि इन फसलों से किसानों को नियमित उत्पादन प्राप्त होता रहा है, परंतु पिछे लागत में लगातार वृद्धि, रासायनिक खादों पर निर्भरता और अनपेक्षित मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ सीमित होता गया। इस परिदृश्य को बदलने के लिए जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग द्वारा जनपद में फसल विविधीकरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे किसान आधुनिक औद्यानिक पद्धतियों से जुड़कर अपनी आय में उल्लेखनीय सुधार कर रहे हैं। कृषि विविधीकरण के अंतर्गत जनपद में मशरूम उत्पादन एक अत्यंत

लाभकारी और क्रांतिकारी विकल्प के रूप में उभरा है। मशरूम की खेती के लिए विस्तृत कृषि भूमि की बाध्‍यता नहीं होती, बल्कि न्यूनतम स्थान में नियंत्रित तापमान और आर्द्रता के भीतर इसका उच्च गुणवतायुक्त उत्पादन संभव है। कम समय चक्र और स्थानीय बाजारों में बढ़ती पॉप्टिक आहार की मांग के कारण जनपद के युवाओं और प्रगतिशील कृषकों में इस उद्यम के प्रति निरंतर उत्साह देखा जा रहा है। मशरूम उत्पादन को संस्थागत संबल प्रदान करने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (डक्व) के तहत व्यापक वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रयाग-काशी-अयोध्या को जोड़ बनेगा धार्मिक सर्किट

संवाददाता
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, काशी और अयोध्या को जोड़कर धार्मिक सर्किट बनेगा। ये तैयारी माघ मेला के लिए की जा रही है। प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को काशी और अयोध्या पहुंचने में आसानी होगी। साथ ही पार्किंग की सुविधा भी बढ़ाई जानी है। माघ मेला के दौरान प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। यूपी की संगमनगरी प्रयागराज में हर साल होने वाले माघ मेले में आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रयागराज को काशी और अयोध्या से जोड़कर धार्मिक सर्किट तैयार करने की योजना बनाई गई है। अयोध्या, काशी (वाराणसी) और प्रयागराज उत्तर प्रदेश के तीन सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र हैं। मेला प्राधिकरण ने इसके लिए प्लान तैयार किया है। इसके तहत तीनों धार्मिक नगरियों को जोड़ते हुए श्रद्धालुओं के लिए परिहहन सेवा शुरू करने की तैयारी है। अधिकारियों का मानना है कि इससे माघ मेले में आने वाले श्रद्धालु प्रयागराज के साथ काशी और अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों के भी दर्शन कर सकेंगे। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने बताया कि पिछले माघ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ और उनके आवागमन को देखते हुए इस बार व्यवस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है। धार्मिक सर्किट के तहत प्रयागराज से काशी और अयोध्या के लिए सेवा शुरू



करने की योजना है। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जाएगा। माघ मेले में वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था का भी विस्तार किया जाएगा।प्रमुख प्रवेश मार्गों और मेला क्षेत्र के आसपास अतिरिक्त पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे, ताकि शहर और मेला क्षेत्र में यातायात का दबाव कम किया जा सके। रेलवे से भी मेले के दौरान आने वाली भीड़ का फीडबैक लिया जा रहा है। मंडलायुक्त ने रेलवे अधिकारियों से अतिरिक्त ट्रेनों और रैक की जरूरत के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक संख्या में अतिरिक्त रैक रखने के लिए कहा है।

इन तीनों स्थानों को मिलाकर एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक त्रिकोण बनता है। आप ट्रेन, बस या निजी टैक्सि से आसानी से तीनों जगह यात्रा कर सकते हैं। मेजा तहसील के चांद खमरिया कृष्ण मृग आरक्षित क्षेत्र में रह रहे लोगों को विस्थापित कर एक स्थान पर आवासीय कॉलोनी में बसाया जाएगा। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने आरक्षित क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके संरक्षण और समग्र विकास को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीडीओ हर्षिका सिंह को मुख्यमंत्री आवासीय योजना के तहत पात्र परिवारों के आवास की व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा।

*स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कल्याणी माता मंदिर तालाब की वृहद सफाई का शुभारंभ ‘



संवाददाता
उन्नाव। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत चलाए जा रहे ‘स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 2026’ के तहत रविवार को नगर पालिका परिषद उन्नाव द्वारा नगर क्षेत्र के जलस्रोतों की साफ-सफाई एवं संरक्षण को लेकर अभियान की शुरुआत की गई। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता भानु मिश्रा के नेतृत्व में उनके पति प्रवीण भानु मिश्रा के द्वारा और वॉटर बॉडीज की स्वच्छता के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कल्याणी माता मंदिर प्रांगण स्थित तालाब की वृहद सफाई का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्र का अवलोकन किया तथा स्वच्छता कार्यों का जायजा लिया। अभियान के दौरान तालाब की सफाई, जलस्रोत के संरक्षण और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की ओर से जलस्रोतों को स्वच्छ, सुंदर एवं संरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कहा गया कि नगर के जलस्रोतों का संरक्षण केवल नगर पालिका की ही नहीं, बल्कि सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। ‘स्वच्छ उन्नाव-सुंदर उन्नाव’ के संकल्प के साथ नगर पालिका परिषद द्वारा जनहित एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान कल्याणी सभासद सुशील तिवारी ‘गुड्डा’, गांधी नगर सभासद दीपक दक्षित ‘मोनु’, पंकज तिवारी, गौरव त्रिवेदी सहित अन्य सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सीसीटीवी टीम के पुलिसकर्मियों को दिया गया फर्स्ट-एड प्रशिक्षण

संवाददाता
उन्नाव। रिजर्व पुलिस लाइन, उन्नाव में प्रदीप कुमार मौर्य, क्षेत्राधिकारी यातायात, उन्नाव की अध्यक्षता में SACTEM Foundation की टीम द्वारा जनपद की सीसीटीवी टीम के प्रभारी एवं टीम में नियुक्त पुलिसकर्मियों को फर्स्ट-एड का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही, आपातकालीन परिस्थितियों में घायल अथवा जख्मरतमंद व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक एवं आवश्यक परिस्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए तैयार करना रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से सीसीटीवी टीम में नियुक्त पुलिसकर्मियों को फर्स्ट-एड से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई।

पेट्रोल पंप के पास कुएं में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, NDRF और फायर टीम ने निकाला बाहर



संवाददाता
उन्नाव। उन्नाव के अकरमपुर क्षेत्र में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पेट्रोल पंप के बगल में बने एक कुएं के अंदर अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। कुएं में शव होने की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने के लिए राहत-बचाव टीमों को बुलाया गया। पुलिस के साथ हृद्यन्म्र और फायर विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे शव को कुएं से बाहर निकाला।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चार नामी डायरेटर, चाहत के चार रंग और एक ऐसी एंथोलॉजी जो बांधकर रखे



मुंबई दो किस्तों के बाद लस्ट स्टोरीज ने अपनी पहचान अच्छी तरह बना ली है। तीसरा चैप्टर कोई पूरी तरह नया फॉर्मूला लेकर नहीं आता, बल्कि इससे भी मजेदार काम करता है। चार फिल्ममेकर्स को अपनी-अपनी तरह से चाहत, रिश्तों और इंटिमेसी को समझने और दिखाने की पूरी आजादी मिलती है। नतीजा? ऐसी एंथोलॉजी जो कभी आपको असहज करती है, कभी हंसाती है, कभी इमोशनल करती है और कभी अपने क्वकी अंदाज से चौंका देती है। विक्रमादित्य मोटवानी का सेगमेंट, जिसमें राधिका आप्टे, कोंकणा सेनशर्मा, विजय वर्मा और अभिषेक शर्मा नजर आते हैं, अपने प्रिमाइस के मामले में शायद सबसे ज्यादा बेबाक है। पति-पत्नी की अदला-बदली यानी ‘हसबैंड स्विपिंग’ जैसा विषय आसान नहीं है। लेकिन कोरियन फिक्शन से इंस्पायर्ड ट्रीटमेंट कहानी को एक अलग ही रंग देता है। कलाकार अपनी शानदार परफॉर्मेंस से कहानी को सिर्फ उसके बोल्ड आइडिया तक सीमित नहीं होने देते। किरण राव वाला चैप्टर लाता है फूल ऑन मजा। गुरफतेह पीरजादा और सना थंपी की कहानी इस, पैसे और धोखे के चक्कर में ऐसी उलझती है कि लगता है अब कौन किसको बेवकूफ बना रहा है। इसका ट्रीटमेंट एक क्लासिक कॉन स्टोरी जैसा है, लेकिन कहानी लगातार नए ट्विस्ट फेंकती रहती है। खासकर एक ट्विस्ट तो वाकई मजेदार सरप्राइज बनकर आता है। फिर आती है शकुन बत्रा की कहानी, जहां अली फजल और राधिका मदान रिश्तों की उन हकीकतों से रूबरू होते हैं जो ग्लैमर से कोसों दूर हैं। शादी, लस्ट, थैरेपी, माता-पिता का दबाव और तलाक, सब मिलकर रिश्तों का ऐसा इमोशनल घालमेल तैयार करते हैं, जहां सही और गलत के बीच की लाइन काफी धुंधली हो जाती है। यही इस सेगमेंट की खूबसूरती है कि यह समझता है कि रिश्ते कभी भी सिर्फ ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते। विशाल भारद्वाज की 1987 में सेंट कहानी माहौल को पूरी तरह बदल देती है। अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ और गजराज राव सेक्स एजुकेशन से जुड़ी कहानी का हिस्सा हैं, और पीरियड सेटिंग इसका मजा और बढ़ा देती है। नक्स वोमिका और ‘बेलाडोना’ जैसे रेंफरेंसेज इस कहानी में एक अलग ही क्वकी तड़का लगाते हैं और इसे बाकी कहानियों से अलग पहचान देते हैं। आखिरकार ‘लस्ट स्टोरीज 3’ की असली खूबसूरती भी यही है। फिल्म चारों कहानियों को एक जैसा बनाने की कोशिश नहीं करती। एक कहानी आपको असहज कर सकती है, दूसरी हंसा सकती है, तीसरी आपको रिश्तों के बारे में सोचने पर मजबूर कर सकती है और चौथी अचानक अपने ट्विस्ट से चौंका सकती है। अगर आपको ऐसी ओटीटी फिल्में पसंद हैं जिनमें रिश्तों की सीधी-सपाट कहानी के बजाय उनकी उलझी हुई परतें दिखाई जाएं, तो लस्ट स्टोरीज 3 में देखने के लिए पर्याप्त सामग्री है, बस इसे केवल बोल्ड कहानियों का संग्रह समझकर देखना इसके असली एंगल को छोटा कर देगा, इसे 4 की रेटिंग दी जा रही है।

स्क्रीन से पहाड़ों तक पहुंचा ‘मुसाफिर कैफे’, हिमाचल और उराखंड में विक्रांत मैसी खोलेंगे दो नए कैफे



अभिनेता विक्रांत मैसी सिर्फ अपनी फिल्मों और सीरीज के जरिए ही नहीं, बल्कि अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स के साथ भी नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनकी चर्चित सीरीज से जुड़ा ‘मुसाफिर कैफे’ अब स्क्रीन तक सीमित नहीं रहेगा। इसे वास्तविक जगह के रूप में पहाड़ों के बीच बसाने की तैयारी चल रही है। विक्रांत मैसी की योजना हिमाचल प्रदेश और उतराखंड में दो अलग-अलग ‘मुसाफिर कैफे’ शुरू करने की है। दोनों लोकेशंस पर फ्लिहाल निर्माण का काम चल रहा है। खास बात यह है कि इन जगहों का डिजाइन सीरीज में दिखाई गई ‘मुसाफिर कैफे’ की दुनिया से प्रेरित रखा जा रहा है। मकसद सिर्फ एक कैफे तैयार करना नहीं, बल्कि शो में दिखाई गई उसकी गर्मजोशी और माहौल को असल जगह पर दोबारा महसूस कराना है। पहाड़ी इलाकों की प्राकृतिक खूबसूरती को ध्यान में रखते हुए कैफे के डिजाइन को आसपास के वातावरण के साथ जोड़ा जा रहा है। आने वाले कैफेज में से एक की एक्सक्लूसिव तस्वीर सामने आई है। इसमें निर्माणधीन कैफे को पहाड़ी लैंडस्केप के बीच आकार लेते हुए देखा जा सकता है। कैफे के लिए स्टोन और वुड आर्किटेक्चर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे इसे पहाड़ी वातावरण के अनुरूप लुक देने की कोशिश की जा रही है। डिजाइन में सीरीज के कैफे की पहचान और उसके विजुअल एस्थेटिक को भी बरकरार रखने पर ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का एक खास हिस्सा आर्टिस्ट रेंजिडेंसी भी है। जानकारी के मुताबिक, कैफे से जुड़े स्पेस में करीब 20 कमरे आर्टिस्ट रेंजिडेंसी के लिए बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य ‘मुसाफिर कैफे’ को सिर्फ खाने-पीने की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि कलाकारों के ठहरने और रचनात्मक काम करने वाले स्पेस के रूप में भी विकसित करना है। इस तरह सीरीज में दिखाई गई दुनिया को एक वास्तविक और ज्यादा विस्तृत रूप देने की कोशिश की जा रही है। ‘मुसाफिर कैफे’ की कहानी में विक्रांत मैसी ने चंदर का किरदार निभाया था। उनका किरदार पहाड़ों में अपने सपने को पूरा करने की कोशिश करता है और कैफे उसकी जिंदगी के सफ़र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता है। शो में कैफे सिर्फ एक लोकेशन नहीं था, बल्कि कहानी और किरदार की जिंदगी से जुड़ी अहम जगह के रूप में सामने आया था। अब इसी कॉन्सेप्ट को असल दुनिया में लाने की कोशिश की जा रही है। यह प्रोजेक्ट विक्रांत मैसी के प्रोडक्शन हाउस ‘होममेड स्टोरीज’ के जरिए उनके एक्टिंग करियर से आगे बढ़ने की दिशा को भी दिखाता है। दोनों कैफे के जरिए ‘मुसाफिर कैफे’ की काल्पनिक दुनिया को वास्तविक डेस्टिनेशन में बदलने की तैयारी है।फ्लिहाल दोनों जगहों पर निर्माण जारी है।



बंद है एक ही नाक ? सांस लेने में होती है परेशानी तो जानें इसके पीछे की वजह

क्या आपको भी अक्सर ऐसा लगता है कि आपकी एक नाक बंद है और दूसरे नथुने से ही आसानी से सांस आ रही है? कई लोगों को खासकर रात में करवट लेकर सोते समय यह परेशानी ज्यादा महसूस होती है। कुछ देर बाद नथुना अपने आप खुल जाता है और दूसरी तरफ हल्की रुकावट महसूस होने लगती है। हर बार ऐसा होना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। इसके पीछे शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया नेजल साइकिल हो सकती है। इसमें दोनों नथुनों से हवा का बहाव समय-समय पर थोड़ा कम या ज्यादा होता रहता है। हालांकि, अगर हमेशा एक ही तरफ की नाक बंद रहती है या सांस लेने में लगातार परेशानी होती है, तो इसके पीछे कोई दूसरी वजह भी हो सकती है।

क्या है नेजल साइकिल
नाक के अंदर मौजूद टिश्यू में रक्त का प्रवाह लगातार थोड़ा बदलता रहता है। इसके कारण एक समय पर एक नथुने के अंदर की परत में हल्की सूजन बढ़ सकती है। इससे उस तरफ हवा का रास्ता कुछ संकरा हो जाता है और दूसरे नथुने से हवा अपेक्षाकृत आसानी से गुजरती है। कुछ समय बाद यह स्थिति दूसरी तरफ भी हो सकती है। यानी दायां नथुना कुछ देर के लिए ज्यादा बंद महसूस हो सकता है और बाद में बायां नथुना। यह शरीर की सामान्य प्रक्रिया है और ज्यादातर स्वस्थ लोगों में होती है। कई बार व्यक्ति को



इसका पता भी नहीं चलता, क्योंकि दोनों नथुनों से मिलने वाला कुल एयरफ्लो सामान्य बना रहता है। एक अध्ययन में 50 स्वस्थ लोगों में कई घंटों तक नाक से हवा के बहाव को देखा गया। शोधकर्ताओं ने करीब 72 प्रतिशत प्रतिभागियों में स्पष्ट नेजल साइकिल पाया।

करवट लेकर सोने पर क्यों ज्यादा महसूस होती है परेशानी?

अगर आप एक तरफ करवट लेकर सोते हैं तो नीचे

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। गणेशोत्सव पर शुक्रवार को दोनों मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणपति का आशीर्वाद लिया। इस दौरान दोनों ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आए। दीपिका बेबी बंप के साथ काफी सावधानी से चलती दिखीं, जबकि रणवीर भीड़ के बीच से तेजी से आगे बढ़ते हुए उनके पास पहुंचे।

दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं रणवीर-दीपिका

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर लिया बप्पा का आशीर्वाद

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल रणवीर सिंह दूसरी बार माता-पिता बनने को दोनों मुंबई के मशहूर भगवान गणपति का आशीर्वाद आउटफिट में नजर आए। सावधानी से चलती दिखीं, तेजी से आगे बढ़ते हुए उनके दीपिका ने हॉट ऑरेंज, जंगल कॉम्बिनेशन वाला मैटरनिटी वहीँ, रणवीर पर्पल कलर के कुर्ते नजर आए। दोनों का लुक सिंपल लिए बिल्कुल परफेक्ट था। मंदिर के दीपिका को देखने के लिए काफी लोग बंप के साथ सावधानी से आगे बढ़ती रणवीर भीड़ को पार करते हुए तेजी से आकर चलने लगे। दोनों ने मंदिर में भगवान गणपति के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। सिद्धिविनायक मंदिर जाने से एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने भी पहुंचे थे। गुरुवार रात वह करी रोड इलाके में स्थित नवसाचा गणपति के दर्शन करने गए। इस दौरान रणवीर क्रीम कलर के कुर्ते में नजर आए थे और उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया। रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का इंतजार कर रहे हैं।



और दीपिका पादुकोण जल्द ही वाले हैं। गणेशोत्सव पर शुक्रवार सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और लिया। इस दौरान दोनों ट्रेडिशनल दीपिका बेबी बंप के साथ काफी जबकि रणवीर भीड़ के बीच से पास पहुंचे। मंदिर के लिए ग्रीन और पर्पल शेड्स के एथनिक आउटफिट चुना। और वाइट पायजामे में था, लेकिन फेस्टिवल के बाहर रणवीर और मौजूद थे। दीपिका बेबी हुईं दिखीं। इसी दौरान आगे बढ़े और दीपिका के साथ भगवान गणपति के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। सिद्धिविनायक मंदिर जाने से एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने भी पहुंचे थे। गुरुवार रात वह करी रोड इलाके में स्थित नवसाचा गणपति के दर्शन करने गए। इस दौरान रणवीर क्रीम कलर के कुर्ते में नजर आए थे और उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया। रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का इंतजार कर रहे हैं।

त्योहार प्यार से मनाएं, शोर से नहीं : शालिनी पांडे

हाल ही में अभिनेत्री शालिनी पांडे ने त्योहार को दया, करुणा और जिम्मेदारी के साथ मनाने का संदेश दिया है। अभिनेत्री ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक डरी हुई छोटी बिल्ली के साथ हुए अपने भावनात्मक अनुभव को साझा किया। शालिनी पांडे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से उस नन्ही जानू की झलकियां साझा की हैं, जो तेज आवाज़ और पटाखों के शोर से घबराकर उनके पास आ गई थी। शालिनी ने इस खास अनुभव को बर्ना करते हुए लिखा है कि कैसे एक डरी हुई नन्ही जानू, जो शोरगुल और पटाखों की तेज आवाज़ से सहमी हुई थी, उनके पास आकर पनाह ली। उस शांत पल में बिल्ली को शायद यह एहसास हो गया था कि वह उसे सुरक्षित महसूस कराने की कोशिश कर रही है। बदले में उस नन्ही बिल्ली ने उन्हें ऐसा एहसास दिया, जिसे शब्दों में बर्ना कर पाना मुश्किल है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने यह भी लिखा, हो सकता है उनके पास हमारी तरह शब्द न हों, लेकिन वे डर, भूख, दर्द, सुरक्षा और शायद प्यार को हमसे भी कहीं ज्यादा गहराई से समझते हैं। इस भावनात्मक पोस्ट के माध्यम से शालिनी ने लोगों से अपील की, तो इस गणपति, अगर आपको कोई डरी हुई जान मिले, तो उसके प्रति दयालु बनें। उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। अगर संभव हो, तो उसे थोड़ा सुरक्षित महसूस कराएं। प्यार के साथ जश्न मनाइए, शोर के साथ नहीं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कभी-कभी थोड़ी सी दयालुता बहुत बड़ा बदलाव ला सकती है। उन्होंने अपने संदेश का अंत गणपति बप्पा मोरया के साथ किया। अभिनेत्री ने अपने इस हृदयस्पर्शी संदेश के जरिए अत्यंत सहजता से यह याद दिलाया है कि तेज आवाज़ और पटाखों का शोर जानवरों के लिए कितना अधिक डर और बेचैनी पैदा कर सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमारी थोड़ी सी संवेदनशीलता और करुणा उन्हें सुरक्षा का एहसास दिला सकती है। शालिनी का यह संदेश त्योहार की वास्तविक भावना को खूबसूरती से दर्शाता है, जिसमें प्रेम, सहानुभूति और हर जीवित प्राणी के प्रति दया शामिल है।



कारण

अगर नाक बार-बार बंद हो रही है तो इसकी वजह सिर्फ नेजल साइकिल नहीं होती। एलर्जी, सर्दी-जुकाम और नाक के अंदर सूजन भी सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकते हैं। एलर्जी होने पर नाक की अंदरूनी परत में सूजन आ सकती है और नाक से पानी आने, छींक आने या खुजली जैसे लक्षण भी हो सकते हैं। वहीं वायरल सर्दी-जुकाम में नाक की अंदरूनी परत सूजने के कारण दोनों या कभी-कभी एक नथुना ज्यादा बंद महसूस हो सकता है।

नाक की हड्डी टेढ़ी होना भी हो सकता है कारण

कुछ लोगों में नाक के बीच की दीवार यानी नेजल सेप्टम एक तरफ मुड़ी हुई होती है। इसे डेविएटेड सेप्टम कहा जाता है। अगर सेप्टम ज्यादा टेढ़ा हो तो नाक के एक हिस्से में हवा के गुजरने की जगह कम हो सकती है। ऐसे लोगों को एक ही नथुने से सांस लेने में बार-बार परेशानी हो सकती है। इस स्थिति में आमतौर पर करवट बदलने से समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होती और एक तरफ की नाक लंबे समय तक ज्यादा बंद महसूस हो सकती है।

नाक के अंदर लगातार सूजन रहने या नेजल पॉलीप जैसी समस्या होने पर भी हवा का रास्ता संकरा हो सकता है।

एलर्जी और सर्दी-जुकाम भी हो सकते हैं

Ajit Agarkar और BCCI के रिश्तों में आई दरार Rohit Sharma और Laxman बने मुख्य वजह

नयी दिल्ली,एजेंसी। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रहा विवाद और ‘सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ बढ़ते मतभेद एकदिवसीय विश्व कप 2027 से पहले सीनियर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह बने। अगरकर के जाने की पटकथा उस समय लगभग लिखी जा चुकी थी, जब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मुंबई में बुलाई गई अहम बैठक से उन्होंने दूरी बना ली। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भले ही उनका बचाव किया, लेकिन बोर्ड के भीतर एक वर्ग का मानना था कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी थी।अगरकर और बीसीसीआई के बीच रिश्तों में असली दरार रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे शृंखला से ठीक पहले तत्कालीन चयन समिति ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित को वनडे टीम से आगे बढ़ने का संकेत देने का फैसला किया था। यह फैसला सामूहिक था और रोहित तक बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दक्षिण क्षेत्र के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा को दी गई, जो रोहित के करीबी मित्रों में माने जाते हैं।रोहित 2027 वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं और उन्हें यह संदेश पसंद नहीं आया। उन्होंने एक प्रभावशाली बोर्ड पदाधिकारी से बात कर चयन समिति के अध्यक्ष के रवैये पर अपनी नाराजगी जाहिर की। मामला तब और पेचीदा हो गया, जब बीसीसीआई ने लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित के संन्यास की अटकलों को खारिज करते

हुए सार्वजनिक बयान जारी कर दिया।अगरकर के करीबी लोगों के मुताबिक, वह इस घटनाक्रम से आहत और नाराज थे। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि अगरकर को इस बयान की पहले से जानकारी तक नहीं थी। बोर्ड चाहता था कि रोहित के भविष्य पर फैसला लेने में जल्दबाजी नहीं की जाए।दूसरी ओर, अगरकर का मानना था कि अगर 2027 विश्व कप में यशस्वी जायसवाला की आजमाना है तो उन्हें पर्याप्त वनडे खेलने का मौका देना होगा। रोहित के पक्ष में तर्क यह था कि वह लगभग हर तीसरे वनडे में रन बना रहे थे, जबकि अगरकर के नजरिए से दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में उम्रदराज रोहित की निरंतर प्रभावशाली बल्लेबाजी की कोई गारंटी नहीं थी। इस मामले में एक बड़ा सवाल यह भी था कि भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार खिलाड़ियों के संन्यास या भविष्य पर अंतिम फैसला वास्तव में किसका होना चाहिए?

अगरकर के लिए यह चयन समिति के अधिकार क्षेत्र का हिस्सा था, जबकि भारतीय क्रिकेट की परंपरा में बड़े सितारों से जुड़े ऐसे फैसलों में बड़ा प्रशासन की भूमिका हमेशा प्रभावी रही है। अगरकर और लक्ष्मण लंबे समय तक भारतीय टीम में साथ खेल चुके थे, लेकिन बाद में नीतिगत मामलों पर दोनों के बीच मतभेद गहराते गए। खासकर चोटिल खिलाड़ियों के प्रबंधन और भारत ए टीम के कार्यक्रम को लेकर दोनों की राय अलग-अलग थी।सीओई से जुड़े राज्य टीम के एक पूर्व कोच के अनुसार, ‘‘लक्ष्मण हमेशा सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध टीम को मैदान पर उतारने के पक्षधर रहे हैं। अगरकर को हालांकि यह समझना मुश्किल लगा कि एशियाई खेलों जैसे आयोजन में भारत को अपनी पहली पसंद के

खिलाड़ियों के साथ खेलने की जरूरत क्यों है।’’ हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान भारत की कप्तानी रतुराज गायकवाड़ ने की थी, क्योंकि मुख्य टीम वनडे विश्व कप में व्यस्त थी। लेकिन इस बार भारत की वनडे टीम में श्रेयस अय्यर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, ईशान किशन और वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी को लेकर भी सवाल उठे।इनमें से कई खिलाड़ी पहली पसंद की टीम का हिस्सा रहे हैं। भारत ए के कार्यक्रम ने भी दोनों के बीच मतभेद बढ़ाए। पुडुचेरी में 22 सितंबर से दो अक्टूबर तक होने वाले दो भारत ए टेस्ट का कार्यक्रम श्रीनगर में होने वाले ईरानी कप से टकरा रहा था।इसके अलावा 24 अक्टूबर से 10 नवंबर के बीच न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के तीन मैचों का कार्यक्रम भारत की टी20 और वनडे शृंखला से भी टकरा रहा था। भारत ए के कार्यक्रम की जिम्मेदारी सीओई के प्रमुख और क्रिकेट संचालन टीम के पास होती है। पहले राहुल द्रविड भी इस जिम्मेदारी को संभाल चुके हैं।चोटिल केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की वापसी को लेकर स्पष्ट समयसीमा नहीं होना भी दोनों पक्षों के बीच चर्चा और असहमति का कारण बना। दूसरी ओर, लक्ष्मण इस बात से भी नाराज बताए गए कि सीओई को उन मामलों के लिए आलोचना झेलनी पड़ रही थी जो पूरी तरह उसके नियंत्रण में नहीं थे। शीर्ष खिलाड़ियों की चोटों की विस्तृत सूची मीडिया में आने के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी भरोसा और कमजोर हुआ।अगरकर ने ऐसे में जब महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया, तब तक रिश्तों में आई दरार काफी गहरी हो चुकी थी। इसके बाद उनका बीसीसीआई से अलग होना महज औपचारिकता भर रह गया।

सुज़ी बैट्स कार्डिाई तोड़़ा

मंधाना टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी बनीं

आइवी-नागोया एजेंसी । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी 37 रनों की छोटी सी पारी खेलने के बाद भी इतिहास रच दिया। मंधाना ने अपने इस पारी के साथ ही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की दिग्गज सुज़ी बैट्स को पीछे छोड़ दिया है ।मंधाना के अब 178 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.69 के औसत से सबसे ज्यादा 4788 रन हो हो गए हैं । उन्होंने अब तक दो शतक और 36 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं ।इससे पहले, यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की पूर्व ऑलराउंडर सुज़ी बैट्स के पास था, जिन्होंने 186 मैचों में 4758 रन बनाए थे । बैट्स का औसत 28.83 था और उनके खाते में एक शतक व 28 अर्धशतक दर्ज थे । जून 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली बैट्स का यह रिकॉर्ड तोड़कर मंधाना ने अपने नाम कर महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है । मंधाना ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर शानदार चौका लगाकर सुज़ी बैट्स का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया । महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में, मंधाना अब शीर्ष पर हैं ।इस लिस्ट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम 209 मैचों में 4327 रन हैं, जिसमें एक शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं । वहीं श्रीलंका की चमारी अटापट्टु और न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन भी इस टॉप-5 सूची का हिस्सा हैं, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड की दो-दो तथा श्रीलंका की एक खिलाड़ी शामिल है ।



भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने इंडोनेशिया को 3-0 से हराया



आइची-एजेंसी।

एशियाई खेल 2026 में भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने अपने शुरुआती मुकाबले में इंडोनेशिया को 3-0 से हरा दिया। भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप स्तर पर इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। अनुभवी खिलाड़ी साथियान ज्ञानसेकरन ने मुकाबले की पहली जीत दर्ज करते हुए भारत को 1-0 से शुरुआती बढ़त दिलाई। साथियान ने विरोधी खिलाड़ी पर हावी रहते हुए टीम को आत्मविश्वास से भर दिया। इसके बाद कोर्ट पर दूसरे एकल मुकाबले में मानव ठक्कर ने इंडोनेशिया के मुहम्मद जुनिंद्रा को हराकर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। मानव ठक्कर

और मुहम्मद जुनिंद्रा के बीच मुकाबला पाँच गेम तक चला, जिसमें भारतीय पैडलर ने अपने अनुभव और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मानव ने 11-7, 8-11, 11-6, 6-11, 11-9 के स्कोर के साथ निर्णायक गेम में दबाव के बीच बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। इस रोमांचक और कठिन जीत के साथ भारत ने मुकाबले में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली, जिससे टीम की जीत की राह आसान हो गई और विपक्षी टीम पर दबाव बढ़ गया। वहीं तीसरे मुकाबले में मनुष शाह ने इंडोनेशिया के अपफान प्रतामा को सीधे गेमों में 11-9, 11-9, 12-10 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

मनु भाकर अपने कोच जसपाल राणा को याद कर भावुक हुईं



नागोया एजेंसी । जापान में शुरू हुए एशियाई खेल 2026 में भारतीय दल की ध्वजवाहक रही निशाबाबज मनु भाकर इस खास अवसर पर अपने दिवंगत कोच और मेंटर जसपाल राणा को याद कर भावुक हो गयीं। मिडूहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में समारोह के बाद भाकर ने कहा, यह भावुक पल था। मुझे राणा सर की बहुत याद आई। यह क्षण भाकर के लिए सिर्फ ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि राणा की यादों से भी जुड़ा था, जिन्होंने उनके करियर में एक अमिट छाप छोड़ी

थी। नागोया में आधिकारिक तौर पर शुरू हुए इन खेलों में भाकर ने कबड्डी स्टार पवन सहरावत के साथ भारतीय दल की आगुवाई की। दोनों ने एथलीटों की परेड के दौरान भारत का तिरंगा धामकर देश को गौरवाचित किया, जिन्होंने उनके करियर में अहम भूमिका निभाई थी और टोक्यो 2020 ओलंपिक की निराशा के बाद उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में मदद की थी। उनका निधन भाकर के लिए एक व्यक्तिगत और पेशेवर क्षति थी, जिसकी भरपाई होना मुश्किल है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकूआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा।

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन : 919839666352
आरएन.आई. : 0522.3564414
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीकरण :-
जी-2/न्यूनपेपर/ 59 / 2004-5
E-mail :
lokhashtakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधकृष्णमिश्र

शेफाली के शतक से भारत ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में प्रवेश किया

श्रीलंका से होगा खिताबी मुकाबला

आइची-एजेंसी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के तेजी से लगाये शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के दूसरे सेमीफाइन में बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना पहले सेमीफाइनल की विजेता श्रीलंका से होगा। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 195 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 196 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में मात्र 81 रनों पर

ही सिमट गयी। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने रखी, जिन्होंने मात्र 49 गेंदों में 100 रनों की ऐतिहासिक और तूफानी पारी खेली। 196 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेशी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे ओवर से ही विकेट लेने शुरू कर दिए और लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे बांग्लादेश की टीम बिखर गयी और 15.4 ओवर में मात्र 81 रन ही बना पायी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए तीन-तीन विकेट लिए। दीप्ति शर्मा ने 2.4 ओवर में केवल 7 रन दिए, वहीं नंदिनी शर्मा ने भी बांग्लादेशी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। इनके अलावा, श्री चरणी भी घातक साबित हुईं, जिन्होंने 3 ओवर में मात्र 7 रन देकर 2

विकेट अपने नाम किए। इससे पहले आज इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। शेफाली ने केवल 49 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 100 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी इस आतिशी बल्लेबाजी में तीन बेहतरीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। यह उनके टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। पावरप्ले के छह ओवरों में ही टीम ने 72 रन बटोरे, हालाँकि इस दौरान एक विकेट खोया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर ने आउट किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर तीसरे



विकेट के लिए 94 रनों की एक बेबद महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। हरमनप्रीत ने 33 गेंदों में छह चौकों के जरिए 40 रनों का अहम योगदान दिया। भारतीय महिला टीम गत चैंपियन के रूप में इन खेलों में खेल रही है और यह लगातार दूसरी बार है

जब उन्होंने इन खेलों के फाइनल में प्रवेश किया है। चार साल पहले 2022 एशियाई खेलों केने फाइनल में श्रीलंका को 19 रनों से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब श्रीलंका का लक्ष्य उस हार का हिसाब बराबर करना रहेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु समेत कई नेताओं ने दी बधाई

एशियन गेम्स 2026: महिला 10 मीटर

एयर राइफल टीम ने जीता सिल्वर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल मिलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समेत कई नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक ‘एक्स’ हैंडल पर लिखा गया, ‘एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर एलावेनिल वलारिवन, विदर्शा के विनोद और सोमम उत्तम मस्कर को बहुत-बहुत बधाई। आपकी इस शानदार उपलब्धि ने इन खेलों में भारत के लिए मेडल का खाता खोला है और देश का मान बढ़ाया है। आपकी निरंतर सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।’ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, ‘भारत ने एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल जीतकर अपने मेडल का खाता खोला। शूटिंग 10 मीटर राइफल महिला (टीम) इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनाद को बधाई। भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं।’ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया, ‘एशियन



गेम्स 2026 में भारत का पहला मेडल!

महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा के विनोद को बधाई। हमारे चैंपियंस और पूरी भारतीय टीम को आगे और भी सफलता की रास्ता खोला। शूटिंग 10 मीटर राइफल 'एक्स' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में भारत का पहला मेडल! महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा के विनोद को बहुत-बहुत बधाई। टीम इंडिया के मेडल

अभियान की शानदार शुरुआत। हमारे चैंपियंस और पूरी टीम को भविष्य में और भी शानदार सफलताएं मिलने के शुभकामनाएं! ‘ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘एशियन गेम्स 2026 में भारत के मेडल का खाता महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दो सिल्वर मेडल के साथ खुला है। सोमम उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनोद के साथ टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने के बाद, व्यक्तिगत इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीतने पर एलावेनिल वलारिवन को बहुत-बहुत बधाई।

भारत ए के खिलाफ सीरीज को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में जगह बनाने के मौके के तौर पर देख रहे हैं ब्रेंडन डॉंगेट

चेन्नई एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के

तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉंगेट का लक्ष्य अगले साल भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है। डॉंगेट भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का हिस्सा हैं और इस दौर का इस्तेमाल राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए करना चाहते हैं। ब्रेंडन डॉंगेट फरवरी में हुई हेमस्ट्रिंग इंजरी के बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले होम सीजन में दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक इवेंट में डॉंगेट ने कहा, ‘उम्मीद है, मैं बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मुझे लगता है कि एक ऑस्ट्रेलियाई के तौर पर यह बड़ी सीरीज में से एक है। इंडिया में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए बड़ा हुआ हूं। यह सच में बहुत मेहनत और ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से अलग लगता है। उम्मीद है कि मैं उस टीम का हिस्सा बन पाऊंगा और उस सीरीज में भूमिका निभा पाऊंगा।’ अपनी फिटनेस पर डॉंगेट ने कहा, ‘शरीर अभी तक ठीक चल रहा है। मैं गेंदबाजी कर रहा हूं और इंडिया ए



के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और उम्मीद है कि कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहा हूं।’ उन्होंने कहा, ‘मैं शायद पिछले दो महीनों से पूरी तरह फिट होकर दौड़ रहा हूं। सब कुछ अच्छा लग रहा है और नियंत्रण में है। घर पर सटी बिताने के बाद, यहां के हालात बहुत अलग होने वाले हैं। हमने गमी से थोड़ा तालमेल बिठाने का काम किया है। हालांकि, शरीर पर काम का बोझ भी पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजी आक्रमण

जबरदस्त हैं। इसमें पैट कर्मिस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और इस ग्रुप में जगह बनाने के लिए सब्र और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ‘ये सभी लोग अपने करियर में किसी न किसी समय टॉप लेवल पर पहुंचने के लिए काफी अच्छे हैं। मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी की गहराई के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत है। उम्मीद है, मेरे लिए मौके आएंगे।

अदाणी अहमदाबाद मैराथन के 10वें संस्करण की आधिकारिक जर्सी लॉन्च

अहमदाबाद एजेंसी। फिटनेस के शौकीनों और अहमदाबाद की रनिंग कम्युनिटी के सदस्यों के सामने अदाणी अहमदाबाद मैराथन के खास 10वें एडिशन की ऑफिशियल जर्सी लॉन्च की गई। अदाणी अहमदाबाद मैराथन 2022 से ‘एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस’ (एआईएमएस) की ग्लोबल मैराथन इवेंट लिस्ट का हिस्सा रही है। इस दौड़ के रूट को ‘एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया’ से सर्टिफिकेशन मिलता रहा है। यह खास 10वां संस्करण एक बार फिर साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क से शुरू होगा और धावकों को मशहूर साबरमती रिवरफ्रंट और अहमदाबाद की कुछ

मशहूर जगहों से होकर ले जाएगा। इस मैराथन का आयोजन 29 नवंबर 2026 को होगा, जिसमें चार रेस कैटेगरी (फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर दौड़) होंगी। स्पोर्ट्सवियर पार्टनर रीबॉक के साथ मिलकर डिजाइन की गई यह जर्सी मैराथन के एक दशक और उस इवेंट के शानदार विकास का जश्न मनाती है, जिसने अहमदाबाद और उसके बाहर धावकों के लगातार बढ़ते समुदाय को एक साथ लाने का काम किया है। अदाणी अहमदाबाद मैराथन अपने पहले एडिशन के बाद से काफी आगे बढ़ी है। पिछले एडिशन में 24,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया था। एक शहर की

मैराथन से शुरू होकर, यह इवेंट अब एक बड़ा वार्षिक स्पोर्ट्स इवेंट बन गया है, जो दौड़ के प्रति जुनून के जरिए बेहतरीन एथलीट्स, शौकिया रनर्स, फिटनेस के शौकीनों, परिवारों और समुदाय को एक साथ जोड़ता है। रीबॉक के साथ पार्टनरशिप मैराथन की 10 साल पुरानी विरासत को स्पोर्ट्सवियर ब्रांड की विशेषज्ञता और रनिंग कम्युनिटी के साथ उसके जुड़ाव से जोड़ती है। जर्सी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह रेस के दिन की हलचल, ऊर्जा और जोश को दिखाने के साथ प्रत्येक धावक के सफर को भी दर्शाए। जर्सी पर बहती हुई लाइनें बनी हैं, जो रेस के दिन हर कदम और तब तक किए गए हर किलोमीटर की

लगातार गति को दर्शाती हैं। नीले से बैंगनी और मैजेंटा रंग में बदलता ग्रेडिएंट रनर के सफर की भावनाओं को दर्शाता है। डिजाइन में तिरंगे रंग की एक खास आउटलाइन भी है, जो जर्सी में भारतीय झंडे की भावना लाती है और रेस को उसके मुख्य मकसद ‘रन फॉर ऑर सोल्जर’ से जोड़ती है। यह डिजाइन हजारों धावकों की उस सामूहिक यात्रा को दिखाता है जो भारत की सशस्त्र सेनाओं के साहस, समर्पण और बलिदान का सम्मान करने के लिए एक साथ आते हैं।

यह मैराथन की पहचान से जुड़ी राष्ट्रीय गर्व की भावना को भी आगे बढ़ाता है, जिससे जर्सी सिर्फ रेस के दिन पहने जाने वाले कपड़े से कहीं ज्यादा, उस मकसद का दृश्य रूप बन जाती है जिसके लिए धावक हर साल एक साथ आते हैं।जर्सी पर अदाणी अहमदाबाद मैराथन और रीबॉक की पहचान प्रमुखता से दिखाई देती है, जो मैराथन की दस साल पुरानी विरासत को उसके स्पोर्ट्सवियर पार्टनर की विशेषज्ञता और खेल विरासत के साथ जोड़ती है। यह सहयोग रीबॉक के दौड़ने और सक्रिय जीवनशैली से जुड़ाव को दर्शाता है। इसके साथ ही 10वें संस्करण की जर्सी को मैराथन के उद्देश्य और अहमदाबाद की भावना से जुड़ी एक अलग पहचान देता है।अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के चीफ

बिजनेस ऑफिसर संजय अदेसारा ने कहा, ‘मैराथन की खूबसूरती यह है कि यह सभी को एक साथ लाती है। पिछले एक दशक में, अदाणी अहमदाबाद मैराथन ने पूरे गुजरात और देश भर से धावकों का स्वागत किया है, और यह समुदाय ही इस कार्यक्रम का केंद्र है। जर्सी उस अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि लोग इसे गर्व के साथ पहनते हैं। हमें खुशी है कि रीबॉक ने इस शानदार डिजाइन को साकार किया और पैलेडियम अहमदाबाद में इसे पेश किया।’ मैराथन के केंद्र में इसकी मुख्य पहल रन फॉर ऑर सोल्जर है, जो प्रतिभागियों को हर साल भारत की सशस्त्र सेनाओं के साहस, समर्पण और बलिदान को सम्मान देने का मौका देती है।



सऊदी समझौते से पाकिस्तान को नुकसान, पश्चिम एशिया संकट में फंस कर रह जाएगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए डिफेंस समझौते ने इस्लामाबाद की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट दावा करती है कि रक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण देश मध्य-पूर्व संघर्ष में फंस सकता है। यमन में रियाद और ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ने से सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर दबाव बढ़ रहा है। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक फायदे जैसा लग रहा था। इसका प्रमाण है समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान मुनीर की मौजूदगी। पिछले साल सितंबर में रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ वो भी मौजूद थे। इस समझौते के तहत, सऊदी अरब अरबों डॉलर का निवेश पाकिस्तान में करेगा और उसे कर्ज

भी देगा, जबकि पाकिस्तान सऊदी सेना को प्रशिक्षित करेगा और किसी भी हमले की स्थिति में सऊदी अरब की रक्षा करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने यह मान लिया था कि अमेरिका और ईरान के बीच रश्ते सुधरेंगे। इसके साथ ही मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष खुद ही खत्म हो जाएगा। हालांकि, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी शुरू करने और उसके बाद सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों पर ईरान के मिसाइल हमलों के बाद स्थिति तेजी से बदली। इसके बाद संघर्ष ने सऊदी अरब और यमन में ईरान समर्थित विद्रोही गुट



‘हूती’ के बीच टकराव को फिर से भड़का दिया। ‘द

गार्डियन’ की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी-हूती के बीच हुआ नाजुक समझौता तब टूट गया जब हूती ने यमन के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया। साथ ही सऊदी के कुछ इलाकों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। सऊदी अरब ने जवाब में यमन पर हवाई हमले किए, जिससे बड़े पैमाने पर संघर्ष की आशंका को बल मिला। अगस्त में पाकिस्तान पर दबाव बढ़ गया जब सऊदी रक्षा समझौते का विस्तार करते हुए इसमें तुर्की को भी शामिल किया गया। फिर इसका नाम बदलकर ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौता’ कर दिया गया। तीनों देश इस बात पर सहमत हुए कि ‘उनमें से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा।’ इस रिपोर्ट में रक्षा विश्लेषक आयशा सिद्दीका को कोट किया गया है। वो कहती हैं, ‘मुझे नहीं लगता कि

आसिम मुनीर ने इस क्षेत्र के सामने मौजूद खतरों का सही आकलन किया था—और यह भी कि पाकिस्तान को इतनी जल्दी अपनी सेना को मोर्चे पर उतारना पड़ सकता है। ‘ सऊदी अरब के पास लड़ाकू विमानों और अन्य युद्धक उपकरणों सहित काफी सैन्य साजो-सामान है, लेकिन उनके पास हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे युद्ध का अनुभव नहीं है। ऐसी दशा में पाकिस्तान की सेना रियाद के लिए बहुत काम की साबित हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि उसकी सेना को सुरक्षा खतरों से निपटने का व्यापक अनुभव है। 'द गार्डियन' ने कुछ विश्लेषकों की राय के आधार पर कहा कि अगर सऊदी अरब हूती के खिलाफ मक्का समझौते को लागू करता है, तो पाकिस्तान पर सेना तैनात करने का दबाव पड़ सकता है।

इंदौर की छात्रा के सवाल को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब



नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम के जरिए छात्रों और युवाओं से संवाद कर रहे हैं। इसी सिलसिले में वह 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर पहुंचे, जहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उनकी शिक्षा, हॉस्टल, रोजगार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने दावा किया कि इंदौर में संवाद के दौरान एक छात्रा ने उनसे हॉस्टल और रहने की समस्या को लेकर सवाल किया। इसके बाद उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उस सवाल का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में छात्रा का सवाल लिखा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है-हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं। राहुल

गांधी ने कहा कि यह सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। गांव से पढ़ने शहर आई छात्रा ने कहा कि हॉस्टल है नहीं, तो पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने में लाखों खर्च हो जाते हैं। हर महीने किराए की चिंता और बेघर होने का डर इसी में पढ़ाई करनी पड़ती है। कई लड़कियां इसी वजह से पढ़ाई छोड़ देती हैं। सिर्फ इसलिए कि रहने की जगह नहीं है। आवास भत्ता महंगाई के साथ बढ़ता नहीं और ऊपर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी से इस सवाल का जवाब मांगते हुए कहा कि क्या उस बच्ची के सवाल का कोई जवाब है। इंदौर में ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी कोटा, पुणे, प्रयागराज आदि स्थानों पर छात्रों से संवाद कर चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह व्यवस्था क्या है, छात्र क्या होता है, और उसे व्यवस्था कैसे दबा रही है छात्र के भविष्य को व्यवस्था चुनौती दे रही है। युवा देश के भविष्य हैं और युवा के बारे कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता है। छात्र के अंदर अलग-अलग गुण होते हैं। छात्र में सबसे बड़ा गुण सवाल पूछने का होता है। छात्र प्राकृतिक तौर पर सवाल पूछते हैं और जिज्ञासु होते हैं, अलग-अलग विषयों पर सवाल पूछते हैं। छात्र मोहब्बत-पसंद होते हैं, वे नफरत नहीं करते हैं, एक-दूसरे से प्यार से बर्ताव करते हैं, और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। उनमें मानवता की भावना होती है।

जलस्तर घटा या बढ़ा प्रदूषण मानसून में फिर जहरीली हुई यमुना, कालिंदी कुंज में दिखने लगा जानलेवा झाग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी से मानसून की अभी वापसी नहीं हुई है, लेकिन यमुना में प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। कालिंदी कुंज पर जहरीला झाग तैर रहा है। इसका मुख्य कारण इस बार मानसून में यमुना का जलस्तर नहीं बढ़ना है। प्रत्येक वर्ष मानसून के दिनों में हथनी कुंड से यमुना में एक लाख से तीन लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा जाता था जिससे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। इस बार अगस्त में अधिकतम 63 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया वह भी एक दो दिनों के लिए। 2014 के बाद सबसे कम पानी छोड़ा गया: साथे एशिया नेटवर्क आन डैम्प, रिवर्स एंड पीपुल के सह संयोजक बीएस रावत का कहना है कि वर्ष 2014 के बाद इस बार मानसून में इतना कम पानी छोड़ा गया है, क्योंकि हिमाचल प्रदेश और

उत्तराखंड में भी कम वर्षा हुई है। इससे नदी में प्रदूषण बढ़ेगा। पानी का कम प्रवाह, औद्योगिक इकाइयों का अपशिष्ट और नालों का गंदा पानी नदी में गिरने से प्रदूषण का स्तर बढ़ता है। इसके चलते कालिंदी कुंज क्षेत्र में यमुना में झाग बनने की समस्या उत्पन्न होती है। जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि यमुना में गिरने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए नए पुराने सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उन्नयन करने के साथ ही नए एसटीपी और विकेंद्रीत सीवेज उपचार संयंत्र (डीएसटीपी) स्थापित करने का काम चल रही है। झाग बनने की स्थिति एक सीमित क्षेत्र तक ही रहती है। इसका मुख्य कारण ओखला बरज की संरचना और जल प्रवाह की स्थिति है। बैराज पर दलान होने के कारण पानी तेजी से नीचे गिरता है, जिससे उपन

मेडिकल उपकरणों की मनमानी कीमतों पर केंद्र का बड़ा प्रहार

नई दिल्ली, एजेंसी। अस्पतालों में मेडिकल उपकरणों की मनमानी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। सरकार ने मेडिकल उपकरणों की कीमतों को तर्कसंगत बनाने के मुद्दे पर मेडिकल सेक्टर और प्राइवेट अस्पतालों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र ड्रा एंड फूड एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की जांच में सामने आया कि प्राइवेट अस्पताल लोगों से मेडिकल उपकरणों की मनमानी कीमत वसूलते हैं। एफडीए आयुक्त ने अस्पताल के मेडिकल उपकरणों की कीमतों और एमआरपी के बीच भारी अंतर को लेकर सवाल उठाया था। इससे पहले अगस्त में, स्वास्थ्य संबंधी संसदीय समिति ने भी प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए ली जानी वाली की रकम की सीमा तय करने की सिफारिश की थी।

खरगोन में कीचड़ में फंसी एंबुलेंस, प्रसूता को बैलगाड़ी से ले गए परिजन, मासूम की मौत

भोपाल, एजेंसी। खरगोन में हो रही घटनाओं में कानून व्यवस्था और आमजन को मिलने वाली सुविधाओं के मामले में पूरी व्यवस्था लचर नजर आ रही है, वहीं घटनाओं के बाद सुधार को लेकर भी जिम्मेदार लाचार नजर आ रहे हैं। खरगोन के भीकनगांव क्षेत्र में शुक्रवार रात प्रसूता को लेने पहुंची एंबुलेंस वाहन कीचड़ में फंस गई। इस पर परिजन प्रसूता को तीन किमी तक बैलगाड़ी व बाइक से लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डिलेवरी तो करवाई गई लेकिन बालिका मृत पैदा हुई। वहीं एक अन्य मामले में अवैध खनन पर कार्रवाई करने पहुंची टीम को मुंह की खाना पड़ी। अवैध खननकर्ताओं ने ना सिर्फ टीम पर पथराव किया बल्कि वे टीम से एक जेसीबी

और एक ट्रेक्टर छिन ले गए। पुलिस ने तीन आरोपितों के विरुद्ध नामजद प्रकरण दर्ज किया है। ज्ञात हो कि इससे पूर्व भी खनिज विभाग की टीम पर जिले की खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में हमला हुआ था, जिसमें विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जानकारी अनुसार जिले के भीकनगांव क्षेत्र पिपल्या पंचायत के मांगिया फलिया निवासी राजकुमार बड़ोले के अनुसार उनकी रिश्तेदार शिवानी पत्नी विक्रम को शुक्रवार शाम प्रसव पीड़ा हुई। सूचना पर आशा कार्यकर्ता रचना पहुंची और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस भीकनगांव से मांगिया फलिया की ओर खाना हुई, लेकिन कीचड़ में फंस गई। इसके बाद ग्रामीणों ने शिवानी को बैलगाड़ी से पक्की सड़क तक

पहुंचाया और वहां से दोपहिया वाहन से अस्पताल ले जाया गया। शिवानी ने मृत बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि प्रसूता के गर्भ में बच्ची की मौत अस्पताल पहुंचने से करीब दो दिन पहले ही हो चुकी थी। डॉक्टरों ने खराब सड़क और बच्ची की मौत के बीच कोई चिकित्सकीय संबंध होने से इनकार किया है।

राजकुमार ने आरोप लगाया कि खराब रास्ते के कारण अस्पताल पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के 121 परिवार सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार आवेदन दे चुके हैं। उनका कहना है कि सड़क समय पर बन जाती तो महिला को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी नहीं होती।

भीकनगांव बीएमओ डा. विजय वर्मा ने बताया कि जांच में भ्रूण की मृत्यु प्रसव से करीब दो दिन पहले होने के संकेत मिले हैं। भ्रूण की त्वचा निकलने और झिल्ली फटने जैसे लक्षण भी मिले।

बीएमओ के अनुसार शिवानी की हालत स्थिर है। उसकी पहले से दो बेटीयां हैं। वह 25 जुलाई को पति के साथ मजदूरी के लिए गुजरात गई थी और 14 सितंबर को गांव लौटी थी।

 विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

 सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

 **lokhastakshepcorp@gmail.com**

 **WhatsApp : 9839666352**

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

